अंक 3

दर्पणम

ई- गृहपत्रिका पत्तनंतिट्टा का.क्षे.

E-House Journal Pathanamthitta BA

महाप्रबंधक दूरसंचार कार्यालय बीएसएनएल पत्तनंतिट्टा बीए तिरुवल्ला

O/ General ManageTelecom BSNL Pathanamthitta BA, Thiruvalla

Bharat Sanchar Nigam Ltd

Fiber To The Home (FTTH) services

BSNL Connecting India faster

WIFI — BROADBAND — LANDLINE

300 Mbps
BROADBAND
Unlimited

Plans for FTTH updated on 20/10/2021

Speed	Plan	Monthly	Data	Post FUP	Static IP	Free calls
30 Mbps	Fiber Basic	449 ✚	3300 GB	2 Mbps	Nil	unlimited
60 Mbps	Fiber Basic Plus	599 ✚	3300 GB	2 Mbps	Nil	unlimited
100 Mbps	SuperStar Premuim-1 ◆	749	1000 GB	5 Mbps	Nil	unlimited
100 Mbps	Fiber TB Plan	777	1000 GB	5 Mbps	Nil	unlimited
100 Mbps	SuperStar-1 ★	779	1000 GB	5 Mbps	Nil	unlimited
100 Mbps	Fiber Value	799 ✚	3300 GB	2 Mbps	Nil	unlimited
100 Mbps	Fibre Value Plus	849	1500 GB	10 Mbps	Nil	unlimited
150 Mbps	SuperStar Premuim-2 ◆	949	2000 GB	10 Mbps	Nil	unlimited
150 Mbps	SuperStar -2 ★	949	2000 GB	10 Mbps	Nil	unlimited
200 Mbps	Fibre Premium ★	999 ✚	3300 GB	2 Mbps	1 @ 2000 pa	unlimited
200 Mbps	Fibre Premium Plus	1277	3300 GB	15 Mbps	1 @ 2000 pa	unlimited
300 Mbps	Fiber Ultra ★	1499 ✚	4000 GB	4 Mbps	1 @ 2000 pa	unlimited
300 Mbps	Fiber Silver	1999	4500 GB	25 Mbps	1 @ 1800 pa	unlimited
300 Mbps	Fibre Silver Plus	2499	5000 GB	30 Mbps	1 @ 1800 pa	unlimited
300 Mbps	Fibre Ruby	4499	6500 GB	40 Mbps	Free	unlimited
300 Mbps	Fibre Golden	5999	8000 GB	50 Mbps	Free	unlimited
300 Mbps	Fibre Diamond	9999	12000 GB	60 Mbps	Free	unlimited
300 Mbps	Fibre Platinum	16999	21000 GB	70 Mbps	Free	unlimited

* All charges are excluding GST

Voice Installation charges waived off till 4th November 2021

★ Free Hotstar premium subscription for 1 year with Superstar 1&2, premium & ultra plans

◆ Bundled with OTT YuppTv+Zee5+Sonyliv+Voot Select with Superstar premium 1&2 plans

Aseem incoming plan free for all FTTH users with voice service

YuppTV Scope entertainment pack offer Rs 129/- Pm for 3month (YuppTv+Zee5+Sonyliv+Voot Select)

1 month plan deposit in 1st bill ////// 10% Discount scheme for Govt/PSU Employees & Retired Employees

✚ Annual payment options: 12 Months FMC–13 Months service, 24 Months FMC–27 Months service, 36 Months FMC–40 Months service

Remaining Plans: 5.5 Months FMC- 6 Months service, 10.5 Months FMC-12 Months service, 20.5 Months FMC– 24 Months service, 30.5 Months FMC– 36 Months service

BSNL | Pathanamthitta bookmyfiber.bsnl.co.in **WhatsApp : 9400901010**

दर्पणम ई -गृहपत्रिका

Darpanam E-House Journal

पत्तनंतिट्टा का.क्षे. Pathanamthitta BA

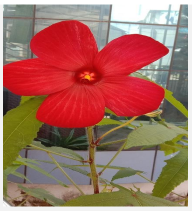

संरक्षक

श्री साजु जोर्ज के

महाप्रबंधक दूरसचार

उप संरक्षक

श्री पी टी विवेकानंदन

उपमहाप्रबंधक(प्र & यो)

उप संरक्षक

श्री मुरलीधरन के.ए.

उपमहाप्रबंधक (बीएसएस&मोबाइल)

अध्यक्ष

श्रीमती अनिला पी के

सहायक महाप्रबंधक(प्रशा & ज सं)

संपादक

श्रीमती जोमोल के जैकब

कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

तकनीकी सहायक

श्री लिट्टो के तोमस

उपमंडल इंजीनियर (कंप्यूटर)

श्री. प्रवीण वी

उपमंडल इंजीनियर (सतर्कता)

श्री एन श्रीकांत,

कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी(एमआईएस)

इस अंक में

संपादकीय 4
संदेश 5
राजभाषा रिपोर्ट -हिंदी पखवाड़ा समारोह 2021 6
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति तिरुवल्ला
कोविड़ -19 डिजिटल सुविधाओं का प्रभाव 7
अगस्त 15 स्वतंत्रता दिवस
व्यायाम का महत्व
मेरी प्यारी सहेली;आत्म सहेली
टोक्यो ओलम्पिक खेल 2021*~
'गवि ' एक विशेष अनुभव
टेलीकोम सांस्कृतिक उत्सव में प्रतिभा बच्चे
गुज़र गए सफर
फाइबर-ऑप्टिक
हिंदी साहित्य के कहानी सम्राट प्रेमचंद
हिंदी - महत्व व्यक्तियों का विचार
कोविड़ -19 और डिजिटल सुविधाएँ
अंग्रेजी कविता जूनी बेन
एक दिन की हँसी
प्रतिभाओं की झलक ......
Breaking common sense
Eliminating single use plastic - Significance and possibilities
The Outbreak of Corona Virus disease
സമകാലീന ഇന്ത്യയും മായുന്ന മാനുഷിക മൂല്യങ്ങളും
प्रतिभाओं की झलक देखिए
Eliminating single use plastic -
രണ്ടു ദിവസം മുമ്പ്...
ओणम 2021
पत्तनंतिट्टा कारोबार विभिन्न कार्यकलापों से

" राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना

देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।"- महात्मागांधी

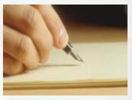

संपादकीय.........

पत्तनंतिट्टा कारोबार क्षेत्र के लिए प्रसन्नता का विषय है कि हमारे ऑनलाइन राजभाषा गृपत्रिका ' **दर्पणम** ' के त्रितीय अंक प्रकाशित हो रहा है। पत्तनंतिट्टा कारोबार क्षेत्र के सभी कर्मचारियों को एक साथ देखने समझने के लिए ई पत्रिका ज़रूर उपयोगी हो जाएगी। हिंदी एकता के सूत्र में हम कर्मचारियों को पिरोने का काम यहाँ करती है। अलग- अलग विभागों में कार्य करने वाले हम कर्मचारियों को आपसी संपर्क लाने का काम राजभाषा हिंदी कर रही है। हिंदी पखवाड़ा समारोह समाप्त हुई। राजभाषा हिंदी के विकास को ध्यान में रखकर विभिन्न प्रतियोगिताएँ , हिंदी कार्यशाला आदि आयोजित किया। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया। पिछले वर्ष की तरह कोविड़ महामारी के परिप्रेक्ष्य में पूरे कार्यक्रम ऑनलाइन के माध्यम से संचालित किया गया। तिरुवल्ला नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयोजक वर्ष 2008 से हमारा कार्यालय संभालता है। इसके अध्यक्ष माननीय महाप्रबंधक है। टोलिक के ज़रिए हिंदी, सभी केंद्र सरकारी कार्यालयों, उपक्रमों तथा बैंकों के बीच भी लोगों को एकत्र करने लायक एक खड़ी का रूप दर्शाता है। वहाँ भी एकता का स्वर सुन सकते। हिंदी बरात के जन-मानस की भाषा भी है।

हम सबका संवैधानिक दायित्व है कि हम अधिक से अधिक कार्य राजभाषा के लिए कार्यालय में करें। हिंदी न केवल हमारे देश बल्कि विश्व के कई देशों में बोली व समझी जाती है। केरल में भी हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग हो रहा है। इसके विकास कार्य हमारा भी दायित्व है। कोविड़ -19 महामारी हम मानव को पराजित करने के लिए साथ-साथ है, पर हम उसे पराजित करने की कार्रवाई पर लगे रहते हैं। संचार क्षमता से ऑनलाइन के ज़रिए हम जीतने की कोशिश की। सफल बनाने में हमारे बीएसएनएल का योगदान भी उल्लेखनीय है।

हिंदी पखवाड़ा 2021 के विभिन्न कार्यकलापों में हमारे पत्तनंतिट्टा कारोबार क्षेत्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचरियों को आपके सहयोग के लिए कृतज्ञता देती हूँ। पत्रिका में प्रकाशित करने के लिए चित्र व लेखन सामग्रियाँ दिए सभी को इस अवसर पर बधाइयां देती हूँ। राजभाषा के प्रयोग के लिए उपयोगी एक ऑनलाइन सहायक पुस्तिका भी प्रकाशित हो रही है। आप सभी सो अनुरोध है कि इससे फायदा उठाकर हिंदी के विकास यात्रा में योगदान कर दें। शुभकामनाओं के साथ, धन्यवाद।

आपका,
भवदीया,

जोमोल के.जैकब
कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

पत्तनंतिट्टा
29.09.2021

महाप्रबंधक दूरसंचार
GENERAL MANAGER
पत्तनंतिट्टा बीए तिरुवल्ला
PATHANAMTHITTA BA TLA

महाप्रबंधक की कलम से..........

मेरे प्यारे साथियो....

पत्तनंतिट्टा कारोबार क्षेत्र की गृहपत्रिका 'दर्पणम' के तीसरा ई- अंक मैं सहर्ष आपके सामने लोकार्पण कर रहा हूँ। ई-पत्रिका तैयार करने की वजह से हमारे बीए के सभी कर्मचारियों को आसानी से इसे देखने का अवसर प्राप्त हो जाता है। राजभाषा हिंदी से संबंधित सभी गतिविधियां हमारे बीए में अच्छी तरह निभाने का पूरा प्रयास हम कर रहे हैं।

हर वर्ष की तरह सितंबर 14 के उद्धाटन समारोह के साथ हिदी पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ हुआ। इसके दौरान पिछले वर्ष की तरह ऑनलाइन में कई प्रतियोगिताएँ, कार्यशाला आदि आयोजित की गईं। यह ज्ञात हुआ है कि हमारे पत्तनंतिट्टा बीए के सभी अनुभागों तथा मंडलों से कर्मचारियों ने कार्यक्रमों में भाग लिया और पुरस्कार भी पा लिया। हम बीएसएनएल,

भारत सरकार के उद्यम होने के कारण, केंद्र सरकार के दिशा - निर्देशों के अनुसार हमें राजभाषा की सभी गतिविधियों को अनिवार्य रूप से कार्यान्वित करने का दायित्व है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था- "राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।" आज हिंदी का महत्व जनभाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा और वैश्विक भाषा के रूप में बढ़ रहा है। हमारी आसादी का पच्चहत्तरीय वर्ष के इस सुअवसर पर, बीएसएनएल प्रशिक्षण केंद्र आरटीटीसी द्वारा हिंदी में आम लोगों के लिए प्रशिक्षण शुरू होने की योजना बनाई गई है।

गर्व की बात है कि कोरोणा के प्रत्येक माहौल में बीएसएनएल की सेवा की महत्ता बढ़ गई है। लोगों को संपर्क करना, बच्चों को पढ़ना , घर बैठकर नौकरी करना आदि विभिन्न कार्य आसानी से करने के लिए टेलीफोन तथा नेट कनेक्शन की ज़रूरत पढ़ीं। लैंडफोन,मोबाइल, ब्रॉडबैंड आदि के अलावा हम एफटीटीएच के ज़रिए लोगों को विशेष सेवा प्रदान कर रही है। शहरों में ही नहीं, गाँव - गाँवों में सेवा करने के साथ-साथ काट्टातिप्प्पारा जैसे ट्राइबल इलाकों की ओर भी हमारी सेवा व्यापक बन गई है। संचार के माध्यम से लोगों को अधिकतम सेवा प्रदान करना हमारा लक्ष्य है। "जन हित के अनुसार संचार की सुविधा" हमारा हित बनाना चाहिए। देश को उजागर करने के लिए हिंदी और संचार दोनों हमारे साथ रखकर आगे बढ़ने का आह्वान देते हुए,

आप सभी को बधाइयाँ तथा शुभकामनाओं के साथ,

आपका,

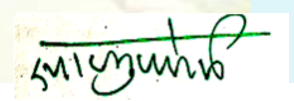

श्री.साजु जोर्ज के., आईटीएस

Sri. Saju George K, ITS

महाप्रबंधक दूरसंचार पत्तनंतिट्टा का.क्षे.

General Manager Telecom, PTA BA

पत्तनंतिट्टा

29.09.2021

राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन कार्य एक नज़र में

तिरुवल्ला कारोबार क्षेत्र में गृहमंत्रालय राजभाषा विभाग से प्राप्त वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार सभी मदों का पालन किया जा रहा है। पत्राचार एवं टिप्पण आलेखन के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर चुका है। कंप्यूटरों में द्विभाषी सुविधा उपलब्ध है। राजभाषा कार्यान्वयन कार्य में वृद्धि लाने हेतु आज का शब्द प्रदर्शित करना, राजभाषा हेल्पडेस्क, गृहपत्रिका आदि इंट्रानेट में प्रदर्शित किया गया है। हर तिमाही में हिंदी कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कोविड़-19 महामारी के कारण रोग व्यापन से बचाने के लिए सामूहिक दूरी बनाए रखते हुए पिछले वर्ष से सभी कार्यक्रम तथा बैठकें ऑनलाइन में आयोजित कर रहा है। निधि की अपर्याप्तता से प्रोत्साहन योजना चालू नहीं है। तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा टोलिक की अर्धवार्षिक रिपोर्ट निर्धारित समय पर ही अपलोड़ कर रही है।

पत्तनंतिट्टा करोबार क्षेत्र की गृहपत्रिका ‘ दर्पणम ’ का तीसरा अंक ऑनलाइन में प्रकाशित किया गया। राजभाषा सहायिका के रूप में **हिंदी दोस्त** नामक ई-पुस्तिका भी तैयार हो गई है।

तिरुवल्ला नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक) का संयोजक हमारे बीएसएनएल कार्यालय और उसके अध्यक्ष महाप्रबंधक भी है। टोलिक के सभी कार्यों व बैठकों को महाप्रबंधक के मार्गनिर्देशों के अनुसार सुचारु रूप से संपन्न हो रहा है। तारीख 29.06.2021 और 22.09.2021को जून और सितंबर तिमाही की हिंदी कार्यशालाएँ ऑनलाइन में आयोजित की गईं।

तारीख 23.06.2021 और तारीख 14.09.2021 को जून और सितंबर को समाप्त तिमाही की राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठकें ऑनलाइन में आयोजित की गईं।

24 अप्रैल को और 12 अक्तूबर (सितंबर से स्थगित) को टोलिक की अर्धवार्षिक बैठकें ऑनलाइन में आयोजित की गईं।

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2021 हर साल की तरह इस साल भी पत्तनमतिट्टा बी ए में 14.09.2021 से 28.09.2021 तक हिंदी पखवाडा मनायी गई। कोविड 19 महामारी के धरातल पर , ऑनलाइन के माध्यम से बैठकें, पूरी प्रतियोगिताएँ तथा कार्यक्रम आयोजित की गईं । 14.09.2021 के पूर्वाहन 10.30 बजे उद्घाटन समरोह संपन्न हुआ। श्रीमती. प्रिया सदानंदन, उप मंडल इंजीनियर की प्रार्थना के साथ हिंदी पखवाडा का शुभारंभ हुआ । श्री साजु जोर्ज के, आईटीएस, महाप्रबंधक दूरसंचार, पत्तनंतिट्टा ने दीप जलाकर हिंदी पखवाडा का उद्धाटन किया । श्री सुनिल मात्यु, सहायक महाप्रबंधक, प्रशासन ने गूगल मीट में भाग लिए सभी का स्वागत किया । अपने अध्यक्षीय भाषण में महाप्रबंधक ने सभी को हिंदी दिवस की बधाइयाँ देकर कहा कि सितंबर 14 राजभाषा हिंदी का दिवस है, हम केंद्र सरकार के उपक्रम होने के कारण राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए कार्य करना भी हमारा दायित्व है। हिंदी भाषा

में आम लोगों व छात्रों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आरटीटीसी द्वारा शुरू होने की तैयारी भी महाप्रबंधक ने घोषित किया। हिंदी अनुभाग द्वारा आयोजित होनेवाली प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेने का अनुदेश भी दिया । श्री.सुधीर पी.एस, मुख्य लेखा अधिकारी और श्रीमती तारा जी. पुरुषोत्तमन समप्र (प्र.यो) ने बधाइयाँ दीं । दीप जलाते समय आलाप किए देश भक्ति गीतों से कार्यक्रम ज्यादा आकर्षक बन गया। बैठक के निर्देशानुसार सभी अधिकारी एवं क्रमचारियों द्वारा राजभाषा प्रतिज्ञा ली। । श्रीमती जोमोल के जैकब, कहिअ ने हिदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित होनेवाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में संक्षिप्त विवरण दिया। अंत में कहिअ,जोमोल ने कार्यक्रम में भाग लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया ।

पखवाड़ा के दौरान ऑनलाईन द्वारा साथ सूचित प्रतियोगिताएं जैसे टिप्पण, आलेखन - अनुवाद, निबंध लेखन, श्रुतलेख, प्रश्नोत्तरी, हिं-अं शब्द जोडना, शब्द पहेली, हिंदी गीत आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। सक्रिय भागीदारी मिली। निर्णय के अनुसार प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मेमेन्टो प्रदान किए गए।

सितंबर तिमाही की हिंदी कार्यशाला कोविड महामारी के परिप्रेक्ष्य में हिंदी पखवाड़ा के दौरान ऑनलाइन द्वारा तारीख 22.09.2021 को आयोजित की गई। श्रीमती. अनिला पी.के, सहायक महाप्रबंधक (प्रशासन & ज.सं.) ने कार्यशाला का उद्‌घाटन किया। हिंदी अनुवादक जोमोल द्वारा राजभाषा नियम तथा सामान्य हिंदी पर कक्षा चलाई। 19 अधिकारी एवं कर्मचारी ने उसमें भाग लिए।

तिरुवल्ला नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयोजक होने के नाते सितंबर महीने के अर्ध वार्षिक बैठक भी 24.09.2021 को आयोजित की गई थी। कुछ विशेष परिस्थितियों से बैठक स्थगित कर दिया और अगले हफ्ते आयोजित करने का निर्णय लिया।

तारीख 29.09.2021 को संपन्न हुई समापन समारोह में श्रीमती अनिला पी.के., सहायक महाप्रबंधक (प्रशासन & ज.स.) ने स्वागत भाषण से सभी को स्वागत किया। श्री. विवेकानंदन पी.टी., (प्रभारी) महाप्रबंधक ने अध्यक्षीय भाषण दिया और बताया कि पत्तनंतिट्‌टा बीए के ई-बुलेटिन **दर्पणम** प्रकाशन के लिए तैयार हो गई है। कर्मचारी एवं उनके बच्चों के हिंदी गीतमाला बैठक को श्यादा आकर्षक की गई । श्रीमती. पिंकी एस.जोण, ने बैठक में आशीर्वाद भाषण दिया और ऑनलाइन कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताओं के द्वारा अच्छी तरह आयोजित करने पर सराहना दी। श्री सुनिल मात्यु, सहायक महाप्रबंधक (प्रशासन) के सुपुत्र मास्टर मेबिन एस मात्यु तथा श्री मोन्सी तोमस , मंडल इंजीनियर (तिरुवल्ला) की सुपुत्री कुमारी आग्नस मिरियम मोन्सी के ऑनलाइन गीत गायन से कार्यक्रम की शोभा बढ़ गई। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार के रूप में मेमेन्टो भी वितरित किया गया। कहिअ

जोमोल के कृतज्ञता ज्ञापन में यह उल्लेख किया कि हिंदी पखवाड़ा के विभिन्न कार्यक्रम, कार्यशाला एवं प्रतियोगिताओं में पत्तनंतिट्टा बीए के सभी अनुभागों तथा मंडलों से भागीदारी हुई। राष्ट्रगीत के साथ हिंदी पखवाड़ा समारोह 2021 समाप्त हुआ।

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2021 का ऑनलाइन उद्घाटन दीप जलाकर कर रहे हैं - श्री. साजु जोर्ज के, आईटीएस, महाप्रबंधक दूरसंचार, पत्तनंतिट्टा, साथ खडे हैं (बाएँ से), श्रीमती तारा जी. पुरुषोत्तमन, समप्र (प.यो)।श्री.सुनिल मात्यू, स.म.प्र (यो),प्रिया सदानंदन, उमंइं(प.यो), जोमोल के जैकब ,क.हि.अ, श्री. सुधीर पी.एस,म.ले.अ.(टीआर)।-स्थान म.प्र.दू के कमरे

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2021 का ऑनलाइन समापन समारोह का दृश्य- अध्यक्षीय भाषण दे रहे हैं- श्री. विवेकानंदन पी.टी., उमप्र (प्रशासन & योजना)-स्थान कॉनफरेंस हॉल, म.प्र.दू. कार्यालय, तिरुवल्ला

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति तिरुवल्ला (टोलिक तिरुवल्ला) समाचार

तारीख 24.04.2021 को ऑनलाइन में संपन्न हुई अर्धवार्षिक नगर राजभाषा कार्यान्वयन बैठक तिरुवल्ला में अध्यक्ष साजु जोर्ज के, आईटीएस और सदस्य कार्यालयों के प्रमुख।

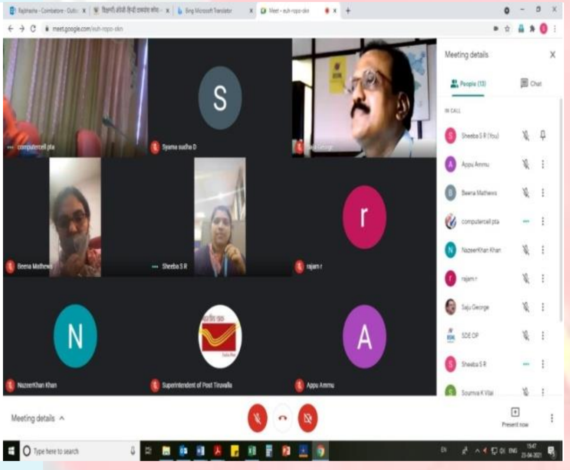

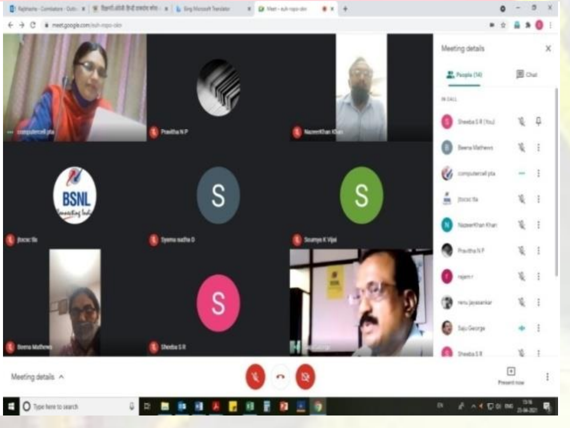

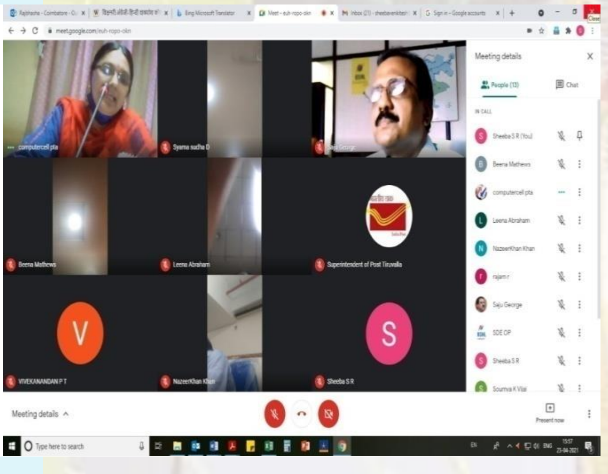

कोविड़ -19 के परिप्रेक्ष्य में डिजिटल सुविधाओं का प्रभाव

श्री. जिजो सी.एब्रहाम,
मं.इं., (आं), पत्तनंतिट्टा

(हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित निबंध लेखन में प्रथम पुरस्कृत लेख)

कोविड़-19 महामारी मानव इतिहास के सबसे बडे संकटों में से एक है। लेकिन इतिहास के हर संकट ने नए अवसरों के रास्ते खोला है। मरने वाले रोगियों की समस्याओं के बावजूद, कोविड़-19 ने प्रकृति पर कई सकारात्मक प्रभाव लाए गए हैं। वो है प्रदूषण में कमी , मानवीय संबंध, प्रकृति की ओर लौटना, ऑज़ोन परंत की मरम्मत और डिजिटल सुविधाओं का इस्तेमाल आदि।

डिजिटल सुविधाओं का नयाचार, विकास और स्वीकृति कोविड़-19 के सबसे उल्लेखनीय प्रभावों में से एक है। चिकित्सा विशेषज्ञों की राय है कि उचित अंतर व्यक्तिगत दूरी सुनिश्चित करके कोविड़-19 को नियंत्रित किया जा सकते हैं। इस प्रकार उचित सामाजिक दूरी का पालन करने के लिए डिजिटल सुविधाएँ कई तरह की मदद की गई हैं।

वेर्चुअल पंक्ति (virtual queue) सुविधा मंदिरों और गिरिजाघरों में उचित सामाजिक दूरी सुनिश्चित किया गया। वहाँ के कार्यक्रमों को ऑनलाइन प्रक्षेपण भी उपलब्ध करवाया।ऑनलाइन विपणन सुविधाएँ जैसे फ्लिपकार्ट, आमसोन आदि ने कोविड़-19 का महत्वपूर्ण प्रतिरोध किया। बैंकिंग क्षेत्र की ज़रूरत लोगों को अवश्य होता है जिससे उन्हें कोविड़-19 का खतरा हो सकता है।लेकिन यूपिआई भुगतान की सुविधाएँ और ऑनलाइन बैंकिंग ने उन्हें इस खतरे से बचाया और कोविड़-19 का प्रतिरोध भी किया।

शिक्षा के बिना कोई भी समाज समृद्ध न हो सकता। लेकिन कक्षाओं में सामाजिक दूरी बनाई रखना कठिन है। इस महामारी के दौरान गूगेल मीट, ज़ूम, वेबेक्स आदि डिजिटल सुविधाएँ उपयोगी तथा जीवनरक्षक बन गया।

कर्मचारियों को बैठक आयोजित करने के लिए व्यापार और सरकारी कार्यालयों के लिए भी सुगमता से यह लागू की गई है।

मनोरंजन के बिना सामाजिक जीवन निष्प्राण हो जाएगा। लेकिन सिनेमा , नाटक आदि मनोरंजन कार्यों से कोविड़-19 फैला हो जाएगा। इस संदर्भ में आमसोन प्राइम, प्रैमरीलस, लेटफ्लिक्स जैसी सुविधाएँ मनोरंजन प्रदान करके कोविड़-19 का प्रतिरोध किया।

डाक्टर से कनसेल्टेशन, अदालत की कार्रवाई, नौकरी के लिए इंटर्व्यू आदि सभी करह की सामाजिक बैठकें डिजिटल रूप में करने की सुविधाएँ समाज में उपलब्ध करवाई।

कोविड़-19 वैक्सिनेशन का प्रबंधन, कोविड़-प्रसार डाटा संग्रह, कोविड़ आंकडों का विश्लेषण, कोविड़ रोगियों का रूट माप बनाना, कोविड़ लहरों का पूर्वानुमान (forecast) आदि कोविड़-19 प्रबंधन के सारे क्षेत्रों में डिजिटल सुविधाओं का इस्तेमाल बहुत प्रभावी और जीवन बचाने वाले हैं।

कोविड़ -19 महामारी के दौरान मानव जीवन में आ गए गतिरोध में डिजिटल सुविधाओं से प्राप्त सफलता हमें देखा जा सकता है।

....

"Many of life's failures are people who did not realize how close they were to success when they gave up."– **Thomas A. Edison**

"Life imposes things on you that you can't control, but you still have the choice of how you're going to live through this." — **Celine Dion**

अगस्त 15 स्वतंत्रता दिवस 2021

झंडा फहराते हैं - पत्तनंतिट्टा के विभिन्न कार्यालय तथा मंडल

महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय में श्री.साजु जोर्ज के, आईटीएस

कोषन्चेरी टेलीफोन एक्सचेंज

अडूर **टेलीफोन एक्सचेंज**

वडश्शेरिक्करा टेलीफोन एक्सचेंज

अगस्त 15 स्वतंत्रता दिवस 2021

झंडा फहराते हैं - पत्तनंतिट्टा के विभिन्न कार्यालय तथा मंडल

पत्तनंतिट्टा टेलीफोन एक्सचेंज

आरन्मुला टेलीफोन एक्सचेंज

देशप्रेम से ओतप्रोत होकर श्रीकला एस, उमंइं, और दीपू उमंइं, तिरुवल्ला का सुपुत्र

"अमर्त्य वीर पुत्र हो दृढ प्रतिज्ञ सोच लो बढ़े चलो बढ़े चलो"

व्यायाम का महत्व

एयिंचलीन मरिया जोबी,

श्रीमती रिया वर्गीस, क.ले.अ (स्था) की सुपुत्री

स्वास्थ्य के लिए व्यायाम बहुत आवश्यक है। व्यायाम से शरीर और मन स्वस्थ रहते हैं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन रहता है। विद्यार्थियों को खेल-कूद एक अच्छा व्यायाम है। इसीलिए खेलने के लिए समय रखना है। खेल-कूद से शरीर और मन को ताज़गी मिलता है। खेती संबंधी काम करना भी एक अच्छा व्यायाम है। आजकल स्कूलों में व्यायाम को बहुत महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है। अब खेल-कूद में समर्थ विद्यार्थियों को सरकार की ओर से कई प्रकार की सहायताएँ मिलती हैं। व्यायाम करने से शरीर और मन स्वस्थ रहता है और भविष्य भी उज्ज्वल बनता है। ऐसा कहा जाता है कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन रहता है।

कोविड़-19 शुरू होने से विद्यार्थियों को स्कूल जाना भी मना किया था। ऑनलाइन से पढाते-पढ़ते हैं। बच्चे घर से बाहर भी नहीं जाते हैं। इससे व्यायम करना स्वस्थ मन और तन के लिए आवश्यक है।

"The unexamined life is not worth living." — Socrates

मेरी प्यारी सहेली;आत्म सहेली

श्रीमती पिंकी एस जोण,
मंडल इंजीनियर, पत्तनंतिट्टा

यह लेख मैं अपनी आत्म सहेली को समर्पित करती हूँ। हर बच्चों की तरह मैं भी अपनी खुशी के बारे में ही सोचती थी। जब हम दिल्ली में थे तब श्याम को मैं रोहनी के साथ खेलती थी। वो बहुत गरीब थी। उसके पिता हमारे फ्लैट निर्माण के मज़दूर थे। ऐसे एक दिन एक आइसक्रीम वाला ने हमारे घर के पास आकर घंटी बजाने लगी। मेरे पास बीस पैसे ही थे। मैंने दस पैसे को दो आइस्क्रीम स्टिक खरीदकर एक रोहणी को बिना देकर घर के अंदर चली गई।मैंने एक आइस्क्रीम अपनी दीदी को दिया और एक मैंने खा लिया। रोहणी रोते हुए अपने पिता के पास जाकर दस पैसे के लिए पूछी रही थी। मगर उन्होंने उसे बहुत डाँटा दिया।

मैं बड़ी हो गई, मुझे एक काम मिला। उस ज़माने, मैं एक दूसरी सहेली के साथ बेकरी में बैठी और आडर किए गए नाश्ता कर रही थी। तब तक दस साल की एक लडकी एक साल के एक बच्चे को गोद में उठाकर भीख मांग रही थी।अचानक मेरी सहेली ने उठकर दो पैकेट रोटी और दी।तीन दूसरी चीज़ें खरीदकर ,एक पैकेट में डालकर, उन्हें दिया। मैं एकदम नाश्ते को छोडकर उस काम से चकित हो गई। यह सच है कि उस घटना ने मेरी आँखें खोल दी। मैं, उसके बाद आसपास के लोगों को अवलोकन करने लगी और उसके दुखों को समझना शुरू करने लगी। मेडिकल स्टोर जाती हूँ तो वहाँ दस दवाएँ खरीदने के लिए आए लोग, पैसे की कमी से बस तीन दवाएँ खरीदकर जाते हैं। होटेल में भोजन खाने के लिए पैसे नहीं, इसलिए बडा खाना के लिए जाते हैं। यात्रा में जाते हैं तो अपने परिवार को नहीं ले जा सकते क्योंकि उनके पास पैसे नहीं है। लोटरी या पुस्तक बेचने वाले के एक लोटरी या पुस्तक हमारे लिए शायद कुछ भी नहीं होगा, मगर उनके लिए वो एक छोटी सी सहायता होगी।मेरी सहेली ने मुझे यह सिखाया कि, हो सके तो , दूसरों के दुख में शामिल होना अपना कर्तव्य होना चाहिए। इसके अलावा मुझे ये होसला देती है कि तुम ये कर सकती हो तो कर सके और जब मरे स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो मुझे डांटनी है कि मैं बहुत लापरवाह है। बिलकुल अपना ख्याल नहीं करती। कहना वो बहुत है मगर पढ़ने के लिए आपके पास भी वक्त कम है और मेरे पति भी मुझे चेतावनी दे रहे हैं कि आज ज़रूर तुम लेट होने वाली हो और मैं तुम्हें दफ्तर नहीं ड्रोप करूँगा। इसनिए फुलस्टोप डाल रही हूँ औरेक बार फिर से लेखन उस सहेली को समर्पित कर रही हूँ जिसे आज तक मैं ने फिर नहीं देखा है और ये बातें नहीं बताईं कि उसने मेरे जीवन में क्या परिवर्तन लाया है। धन्यवाद।

....

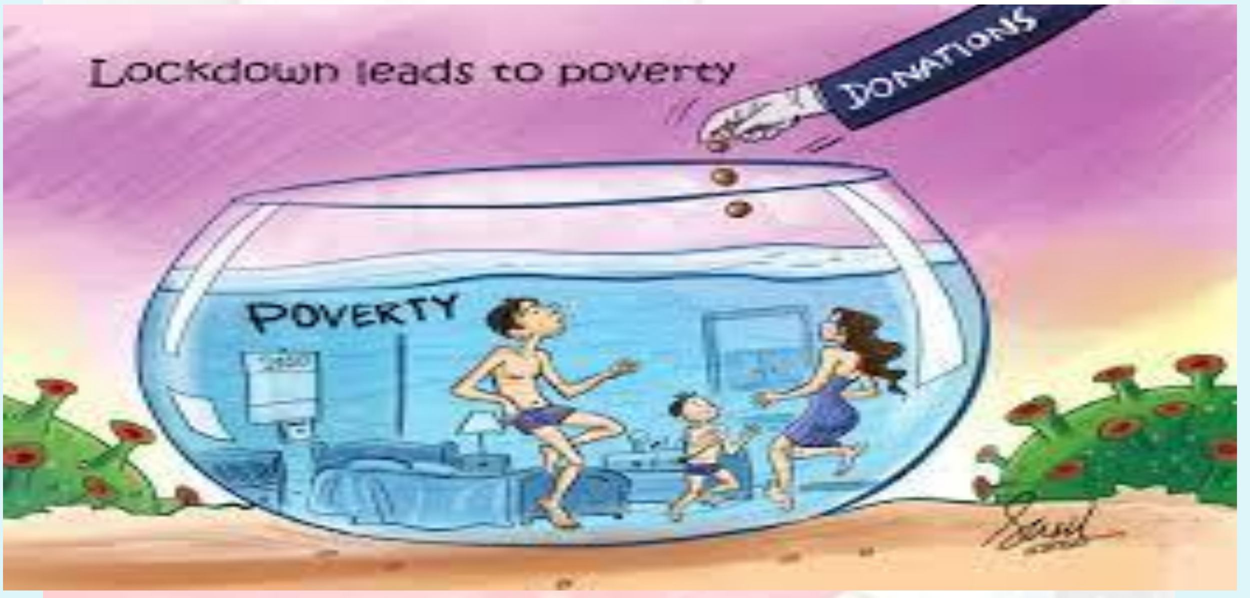

ज़रा हिंदी सीखो...

दस-10
बीस-20
तीस-30
चालीस -40
पचास-50
साठ-60
सत्तर -70
अस्सी- 80
100 - सौ
1000 हज़ार thousand
10000 दस हज़ार ten thousand
100000 लाख lakh
1000000 – करोड़ Crore

आधा half 1/2
डेढ़ 1 1/2 one and a half
ढाई 2 1/2 two and a half
साढे तीन 3 1/2 three and a half
पाव 1/4 one fourth quarter
सवा 1 1/4

आलू potato
कमल lotus
अंडा egg
अनन्नास Pineapple
ककड़ी long cucmber
आटा Flour
अनार pomegranate
गुल लाला tulip
इमली tamarind
अमरूद guava
कद्दू pumpkin
चंपा yellow jasmine
इलायची cardomom
आम mango
चमेली jasmine
करेला bitter-gourd
काली मिरच pepper
केला plantain
खीरा cucumber
गुड़ jaggery
तरबूजा watermelon

ओलम्पिक खेल 2021*~

विष्णु वर्धन, क.दू.अ, तिरुवल्ला

ओलम्पिक खेल विश्व में खेलों का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय आयोजन हैं | इन खेलों का आयोजन हर चार वर्ष बाद किया जाता है | खेलों के इस महाकुम्भ का इतिहास करीब 2,800 वर्ष पुराना है I ओलम्पिक खेलों का उद्देश्य खेलों के माध्यम से शिक्षा और शांतिपूर्ण एवं बेहतर विश्व के निर्माण को बढ़ावा देना है | ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन अलग-अलग किया जाता है |

टोक्यो ओलम्पिक खेल जो पहले 2020 में जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित होने वाले थे लेकिन कोविड महामारी की वजह से इन्हें 23 जुलाई, 2021 से 8 अगस्त, 2021 के बीच आयोजित हुए.टोक्यो में इससे पहले 1964 में ओलम्पिक खेलों का आयोजन किया जा चुका है | ये एशिया में हुए पहले ओलम्पिक खेलहुए |

टोक्यो ओलंपिक में भारत ने ओलंपिक इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है | भारत ने इस ओलंपिक में पहली बार एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीता है । नीरज चोपड़ा ने भारत को यह गौरव दिलवाया है | इससे पहले सिर्फ हॉकी में भारत के नाम स्वर्ण पदक दर्ज है। भारत ने इस बार ओलम्पिक में कुल सात पदक जीते, जिसमें 1 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य पदक शामिल है। इस बार भारत की रैकिंग 33वीं रही है |

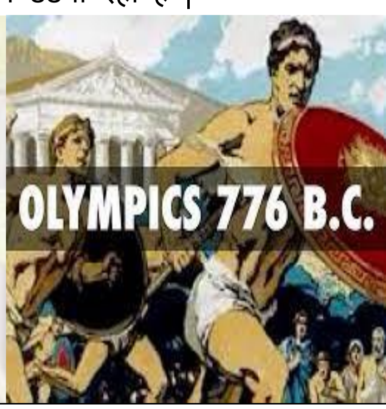

ओलिंपिक खेल एक अंतर्देशीय स्पोर्टस उत्सव, जो हरेक चार वर्ष में आयोजित किया जाता है। इसका आखिरी लक्ष्य सभी देश के मानवों के बीच खेलकूद के ज़रिए शांति प्राप्त करने के लिए है। Summer Games and Winter Games are held separately. The Ancient Olympic Games were religious and athletic festivals held every four years at the sanctuary of Zeus in Olympia, Greece. ... According to legend, it was **Heracles who first called the Games "Olympic**" and established the custom of holding them every four years.

संस्मरण-

'गवि' एक विशेष स्मृति

श्रीमती. अनिला पी.के सहायक महाप्रबंधक (प्रशा&ज.सं.)
पत्तनंतिट्टा बीए

मेरे सेवाकाल के एक उल्लेखनीय अनुभव मैं आपसे कहना चाहती हूँ। कोट्टयम और पत्तनंतिट्टा दोनों कार्यालयों का कार्यभार हमारे आदरणीय महाप्रबंधक साजु जोर्ज सार संभालते समय का एक विशेष अनुभव मेरी यादों में है।

स्कूल में पढ़ते समय अलग-अलग कक्षाओं के छात्रों को पर्यटन के लिए एकसाथ ले जाते हैं। पर, दो विभिन्न एसएसए के कर्मचारियों को एकसाथ पर्यटन के लिए ले जाने की बातें बहुत कम ही सुना है। ऐसी एक पर्यटन में जाने का मौका मुझे मिला कि कोट्टयम और पत्तनंतिट्टा दोनों एसएसए (उस समय एसएसए थे) को मिला जुलाकर जाने के लिए तत्पर कर्मचारियों को पत्तनंतिट्टा जिले में स्थित प्रमुख इको टूरिस्ट केंद्र ' गवि ' देखने गया। मैं अपनी बेटी के साथ पत्तनंतिट्टा के कर्मचारियों के साथ दौरा शुरू की। बीएसएनएल के विज्ञापन बैनर, बस के पीछे रखकर हमने यात्रा शुरू की। कुल मिलाकर पांचः बस में कर्मचारियों ने यात्रा की। कोट्टयम से आई गाडियाँ और पत्तनंतिट्टा से आई गाडियों के लोग एकसाथ सफर की। बडे सबेरे निकाली यात्रियों को बीच में प्रभात भोजन का प्रबंध केएसईबी के कार्यालय में किया गया। सभी को एकसाथ खाने का अवसर वहाँ मिल गया। एक बात भी सभी को ध्यान में आया कि वहाँ की ऊँचाई में भी बीएसएनएल का टावर स्थापित किया गया है। फिर गवि की हरियाली का मनोरंजन दोनों एसएसए के कर्मचारियों ने एकत्र होकर पा लिया। हम लोग गवि की ऊँचाई में चलकर पहुँचे तो बारिश आ गई। पांचालीमेड़ वहाँ से हमने देखा। दुपहर का भोजन की व्यवस्था गवि के उद्यान के अंदर ही की गई थी। फिर वहाँ बोटिंग की सुविधा हुई। वहाँ से दोनों एसएसएस के कर्मचारियों के साथ एक फोटोग्रैफ सेशन भी रखा। वापस आते समय चाय के लिए रहे स्टेशन में दोनों कोट्टयम और पत्तनंतिट्टा के कर्मचारियों के बीच आपसी परिचय होने का कार्यक्रम और उन्हीं के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि भी संचालिय किया गया। गवि पर्यटन की यात्रा बहुत खुशी एवं मनोरंजन देने के साथ दोनों कार्यालयों के बीच समन्वय तथा एकता में पिरोने का विशेष कार्य आज भी यादों में है।

....

टेलीकोम सांस्कृतिक उत्सव में प्रतिभा बच्चे

कला प्रतिभाओं की यादों में - बीएसएनएल ने कला- खेलकूद के विकास के लिए कर्मचारियों को और उन्हीं के बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए परिमंडल और मुख्यालय तौर पर सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ व समारोह आयोजित करते थे। केरल परिमंडल से प्रथम स्थान पानेवाले कर्मचारियों को अखिल भारतीय स्तर पर देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित सांस्कृतिक प्रतोगिताओं में भाग लेने का सौभाग्य भी उपलब्ध होते थे। हमारे बीए के सहायक महाप्रबंधक श्री. सुनिल मात्यु , समप्र(योजना) की सुपुत्री और सुपुत्र कलोत्सव में एक स्थाई भागीदारी एवं प्रतिभा रही रहती थी। अब एमबीबीएस छात्रा है सुश्री महिमा मरियम सुनिल और मास्टर मेबिन एस मात्यू पुरस्कार पाने की यादों में है,

गायक मास्टर मेबिन एस मात्यू,

Mahima Mariam Sunil, MBBS student,Pushpagiri Hospital, Thiruvalla, D/o Sri. Sunil Mathew, AGM(plg).

अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलना सीखो
- डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम

भारत की एकता

कु. पूर्णश्री आर, कक्षा- 5 बी, केंद्रीय विद्यालय अडूर.
श्रीमती रंजिनी के, कनिष्ठ इंजीनियर ,अडूर की सुपुत्री

भारत एक विशाल देश है। हिमालय पहाड़ से कन्याकुमारी और रामेश्वर तक भारत का फैलाव है। यहाँ करोडों लोग रहते हैं। उनकी भाषाएँ अलग-अलग हैं। यहाँ के रहन-सहन में भी विभिन्नताएँ पाई जाती हैं। भारत वासी विविध धर्म को मानते हैं। फिर भी यहाँ विविधता में एकता है। चाहे हिंदू हो, चाहे मुसलमान हो या ईसाई । सब भारतीयों को मिल-जुलकर रहना चाहिए। एकता से देश की शक्ति बढ़ती है।

फिर भी यहाँ विविधता में एकता है। चाहे हिंदू हो, चाहे मुसलमान हो या ईसाई । सब भारतीयों को मिल-जुलकर रहना चाहिए। एकता से देश की शक्ति बढ़ती है।

भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में राष्ट्रभाषा के रूप में मान्यता प्राप्त भाषाएँ- 22 1) Assamese, (2) **Bengali**, (3) **Gujarati**, (4) Hindi, (5) Kannada, (6) **Kashmiri**, (7) **Konkani**, (8) Manipuri, Malayalam, (9) (10) Marathi, (11) Nepali, (12) Oriya, (13) Punjabi, (14) Sanskrit, (15) Sindhi, (16) Tamil, (17) Telugu, (18) Urdu (19) **Bodo**, (20) Santhali, (21) **Maithili** and (22) **Dogri.**

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 (1) में कहा जाता है कि भारत संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग किए जाने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप होगा, 1,2,3......

कोविड़ -19 और डिजिटल सुविधाएँ

रिया वर्गीस,क.ले.अ(स्थापना)

म.प्र.दू कार्यालय, तिरुवल्ला

कोविड़-19 महामारी के संकट के दौरान सार्वजनिक सेवाएँ जैसे बढ़ते जा रहे थे वैसे कोरोनावायरस भी व्यापक हो जा रही थी। राज्य और केंद्र सरकार द्वारा स्थानीय तथा सार्वजनिक सेवाओं के माध्यम से अपनी अपनी भूमिका निभाया जा रही हैं। दुनिया भर में , सरकारों द्वारा इन पर प्रबल प्रतिबंध लगा दिया गया। सामजिक दूरी बनाया रखना, मास्क पहनना, लोग घर से बाहर न जाना ऐसी स्थिति से समाज स्तब्ध रह गया। इस संदर्भ में हमारा प्रौद्योगिकी विकास से समाज में गहरा प्रभाव हुआ। महामारी के समय लोग विपणन, बैंकिंग कार्य, शिक्षा, स्वास्थ्य बैठकें आदि विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल तकनीक की मदद से सेवाएँ अधिक रूप से करने लगे। डिजिटल तकनीक के ज़रिए अति आवश्यक बातों को बनाए रखने की परिवर्तनकारी क्षमता लोगों को प्राप्त हुई। इस संकट स्थिति में डिजिटल सुविधाओं से नया सामान्य दुनिया बनाई गई। एक डिजिटल कनेक्टड दुनिया समाज को सुविधा प्रदान करेगी, क्योंकि हम वर्तमान संकट से बेहत्तर निर्माण कर रहे हैं।

पेइंटिंग - रिया

भारत में दूरसंचार

भारत में डाक और दूरसंचार क्षेत्रों में एक धीमी और असहज शुरुआत हुई थी। 1850 में, पहली प्रायोगिक बिजली तार लाइन डायमंड हार्बर और कोलकाता के बीच शुरू की गई थी। 1851 में, इसे ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के लिए खोला गया था। डाक और टेलीग्राफ विभाग उस समय लोक निर्माण विभाग के एक छोटे कोने में था। टेलीकॉम का वास्तविक अर्थ अंतरिक्ष में दूर की दो जगहों के बीच सूचना का स्थानांतरण है। दूरसंचार के लोकप्रिय अर्थ में हमेशा बिजली के संकेत शामिल रहे हैं और आजकल लोगों ने डाक या दूरसंचार के किसी भी अन्य कच्चे तरीके को इसके अर्थ से बाहर रखा है। इसलिए, भारतीय दूरसंचार के इतिहास को टेलीग्राफ की शुरूआत के साथ प्रारंभ किया जा सकता है।

उत्तर में कोलकाता (कलकत्ता) और पेशावर को आगरा सहित और मुंबई (बॉम्बे) को सिंदवा घाट्स के जरिए दक्षिण में चेन्नई, यहां तक कि ऊटकमंड और बंगलोर के साथ जोड़ने वाली 4000 मील (6400 किमी) की टेलीग्राफ लाइनों का निर्माण नवंबर 1853 में शुरू किया गया। भारत में टेलीग्राफ और टेलीफोन का बीड़ा उठाने वाले डॉ॰ विलियम ओ' शौघ्नेस्सी लोक निर्माण विभाग में काम करते थे। वे इस पूरी अवधि के दौरान दूरसंचार के विकास की दिशा में काम करते रहे। 1854 में एक अलग विभाग खोला गया, जब टेलीग्राफ सुविधाओं को जनता के लिए खोला गया था।

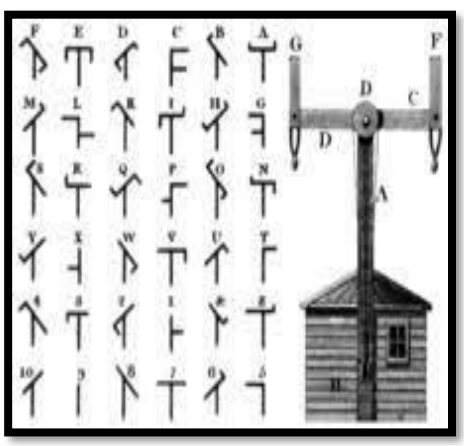

|

टेलीफोन की शुरुआत

1880 में, दो टेलीफोन कंपनियों द ओरिएंटल टेलीफोन कंपनी लिमिटेड और एंग्लो इंडियन टेलीफोन कंपनी लिमिटेड ने भारत में टेलीफोन एक्सचेंज की स्थापना करने के लिए भारत सरकार से संपर्क किया। इस अनुमति को इस आधार पर अस्वीकृत कर दिया गया कि टेलीफोन की स्थापना करना सरकार का एकाधिकार था और सरकार खुद यह काम शुरू करेगी। 1881 में, सरकार ने अपने पहले के फैसले के खिलाफ इंग्लैंड की ओरिएंटल टेलीफोन कंपनी लिमिटेड को कोलकाता, मुम्बई, चेन्नई (मद्रास) और अहमदाबाद में टेलीफोन एक्सचेंज खोलने के लिए एक लाइसेंस दिया, जिससे 1881 में देश में पहली औपचारिक टेलीफोन सेवा की स्थापना हुई। [4] 28 जनवरी 1882, भारत के टेलीफोन के इतिहास में रेड लेटर डे है। इस दिन, भारत के गवर्नर जनरल काउंसिल के सदस्य मेजर ई. बैरिंग ने कोलकाता, चेन्नई और मुंबई में टेलीफोन एक्सचेंज खोलने की घोषणा की। कोलकाता के एक्सचेंज का नाम "केन्द्रीय एक्सचेंज" था जो 7, काउंसिल हाउस स्ट्रीट इमारत की तीसरी मंजिल पर खोला गया था। केन्द्रीय टेलीफोन एक्सचेंज के 93 ग्राहक थे। बॉम्बे में भी 1882 में टेलीफोन एक्सचेंज का उद्घाटन किया गया।

राज्य के स्वामित्व वाला पदस्थ पहला संचालक (ऑपरेटर) **बीएसएनएल** है । समय के साथ अन्य ऑपरेटरों ने भी सेवाएं प्रदान करनी शुरू की ।

ब्रिटिश शासन काल में जबकि देश के सभी प्रमुख शहरों और कस्बों को टेलीफोन से जोड़ दिया गया था, फिर भी 1948 में टेलीफोन की कुल संख्या महज 80,000 के आसपास ही थी। स्वतंत्रता के बाद भी विकास बेहद धीमी गति से हो रहा था। टेलीफोन उपयोगिता का साधन होने के बजाय हैसियत का प्रतीक बन गया था। टेलीफोनों की संख्या इत्मीनान से बढती हुई 1971 में 980,000, 1981 में 2.15 मिलियन और 1991 में 5.07 मिलियन तक पहुंची, जिस वर्ष देश में आर्थिक सुधारों को शुरू किया गया। 1975 में, दूरसंचार विभाग (डीओटी) को पी एंड टी से अलग कर दिया गया था। दूरसंचार विभाग 1985 तक देश में सभी दूरसंचार सेवाओं के लिए जिम्मेदार था, जब महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) को दूरसंचार विभाग से अलग करके उसे दिल्ली और मुंबई की सेवाओं को चलाने की जिम्मेदारी दी गयी। 1990 के दशक में सरकार द्वारा दूरसंचार

क्षेत्र को उदारीकरण- निजीकरण- वैश्वीकरण नीति के तहत निजी निवेश के लिए खोल दिया गया। इसलिए, सरकार की नीति शाखा को उसकी कार्यपालिका शाखा से अलग करना जरूरी हो गया था। भारत संचार ने 1 अक्टूबर 2000 को दूरसंचार विभाग के परिचालन हिस्से को निगम के अधीन कर उसे भारत संचार निगम लिमिटेड़ (बीएसएनएल) का नाम दिया। 2006 की शुरुआत के बाद से भारत में ब्रॉडबैंड कनेक्शनों की संख्या में सतत विकास देखा गया है।

आज फाइबर कनेक्शन नेटवर्क की दिशा में चल रहा है बीएसएनएल।

संचार दिवस (अंग्रेज़ी: World Telecom Day) प्रत्येक वर्ष '17 मई' को मनाया जाता है। आधुनिक युग में फोन, मोबाइल और इंटरनेट लोगों की प्रथम आवश्यकता बन गये हैं। इसके बिना जीवन की कल्पना करना बहुत ही मुश्किल हो चुका है। आज यह इंसान के व्यक्तिगत जीवन से लेकर व्यावसायिक जीवन में पूरी तक प्रवेश कर चुका है।

-संकलन

कभी न भूले इन्हें...

Antonio Antonio Meucci, 1854, constructed telephone-like

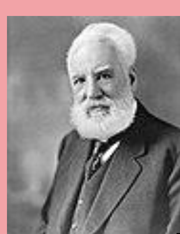

Alexander Graham Bel Alexander Graham

Tivadar Puskás proposed the telephone switchboard

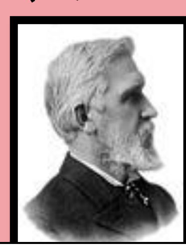

Elisha Gray, 1876, designed a telephone using a water

Thomas Edison invented the carbon microphone which

“आवश्यकता आविष्कार की जननी है।Necessity is the mother of invention.” -प्लेटो Plato

An actor

portraying Alexander Graham Bell speaking into an early model telephone

गुज़र गए सफर..

हिंदी साहित्य के कहानी सम्राट प्रेमचंद मेरा प्रिय साहित्यकार

प्रिया सदानंदन,
उ.मं.इं.(प.यो),तिरुवल्ला

प्रेमचंद का वास्तविक नाम धनपतराय था और उन्हें नवाबराय भी कहा जाता था। उनका जन्म काशी के निकट लमही नामक ग्राम में सं.1937 में हुआ था। वह एक साधारण कायस्थ परिवार के बालक थे और पिता का नाम

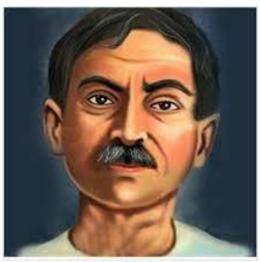

अजाबराय तथा माता का आनन्दी देवी था। बहुत ही छोटी आयु में उन्हें मातृ-स्नेह से वंचित हो जाना पड़ा और उनकी सौतेली माँ का उनके प्रति अच्छा व्यवहार था। प्रेमचंद की शिक्षा-दीक्षा घर पर ही पाँचवें वर्ष से प्रारंभ हुई और वह मौलवी से उर्दू ,पारसी पढते रहे। इसके बाद वह काशी के क्वींस कालेज में भरती हुए और पढने-लिखने में तेज होने के कारण अध्यापक उनसे अत्यंत प्रसन्न थे। उनकी फीस माफ थी पर जीवन-निर्वाह की अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उन्हें ट्यूशन आदि कर अपना खर्च चलाना पड़ता था। अनेक आर्थिक कठिनाइयों को सहन कर उन्होंने हाई स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की। पर गणित में कमजोर होने के कारण वह इण्टर की परीक्षा उत्तीर्ण न कर सके।अंत में विवश होकर उन्होंने पढ़ना छोड़ कर नौकरी कर ली और अध्यापक हो गए पर उनका विद्यानुराग पूर्ववत् ही था। उनका विवाह ग्यारह वर्ष की अवस्था में हो गया था पर उस पत्नी से उनका जीवन अत्यधिक क्लेशपूर्ण था, अत: उसे मायके पहुँचाकर फिर उन्होंने उसे विदा नहीं करवाया। बाद में श्रीमती शिवारानी देवी से उनका विवाह हो गया।

1906 से 1936 के बीच लिखा गया प्रेमचंद का साहित्य इन तीस वर्षों का सामाजिक सांस्कृतिक दस्तावेज है। इसमें उस दौर के समाजसुधार आन्दोलनों, स्वाधीनता संग्राम तथा प्रगतिवादी आन्दोलनों के सामाजिक प्रभावों का स्पष्ट चित्रण है। उनमें दहेज, अनमेल विवाह, पराधीनता, लगान, छूआछूत, जाति भेद, विधवा विवाह, आधुनिकता, स्त्री-पुरुष समानता, आदि उस दौर की सभी प्रमुख समस्याओं का चित्रण मिलता है। आदर्शोन्मुख यथार्थवाद उनके साहित्य की मुख्य विशेषता है।

उनके द्वारा लिखित कहानियाँ लगभग तीन सौ हैं। उनके कुछ प्रतिनिधित्व कहानियों में से- बडे घर की बेटी, पंचपरमेश्वर , बूढी काका, आत्माराम, मुक्तिमार्ग, ईदगाह, शतरंज के खिलाड़ी, कफन आदि हैं।

प्रेमचंद के प्रमुख उपन्यास - सेवासदन, गबन, प्रतिज्ञा, निर्मला, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, गोदान आदि हैं।- संकलन

हिंदी - महत्व व्यक्तियों का विचार

रंजिनी के, क.इं., अडूर

1. **"हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत है।"सुमित्रानंदन पंत**
2. **" भारतीय भाषाएँ नदियाँ हैं और हिंदी महानदी।" - रवीन्द्रनाथ ठाकुर**
3. **" हिंदी जैसी सरल भाषा दूसरी नहीं है।"- मौलाना हसरत मोहानी**
4. **"ध्वनिशास्त्र की दृष्टि से देवनागरी अत्यंत वैज्ञानिक लिपि है।"- रविशंकर शुक्ल**
5. **" हिंदी द्वारा समस्त भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।"- स्वामी दयानंद**
6. **"राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।" - महात्मागांधी**
7. **" समस्त भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई निपि आवश्यक हो तो वह ही हो सकती है। " - जस्टिस कृष्णस्वामी अय्यर**
8. **हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है, जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया। - डॉ.राजेन्द्र प्रसाद**

अनुच्छेद 351.Article 351 हिंदी भाषा के विकास के लिए निदेश--संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिंदी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे जिससे वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना हिंदुस्तानी में और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात करते हुए और जहां आवश्यक या वांछनीय हो वहां उसके शब्द-भंडार के लिए मुख्यतः संस्कृत से और गौणतः अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे।(1963 का अधिनियम संख्यांक 19)

Heart knows that…..

Junie Ben,
3rd year BA Student, Marian College Kuttikanam.
D/o Mollykutty Thomas, A O, BSNL Thiruvalla.

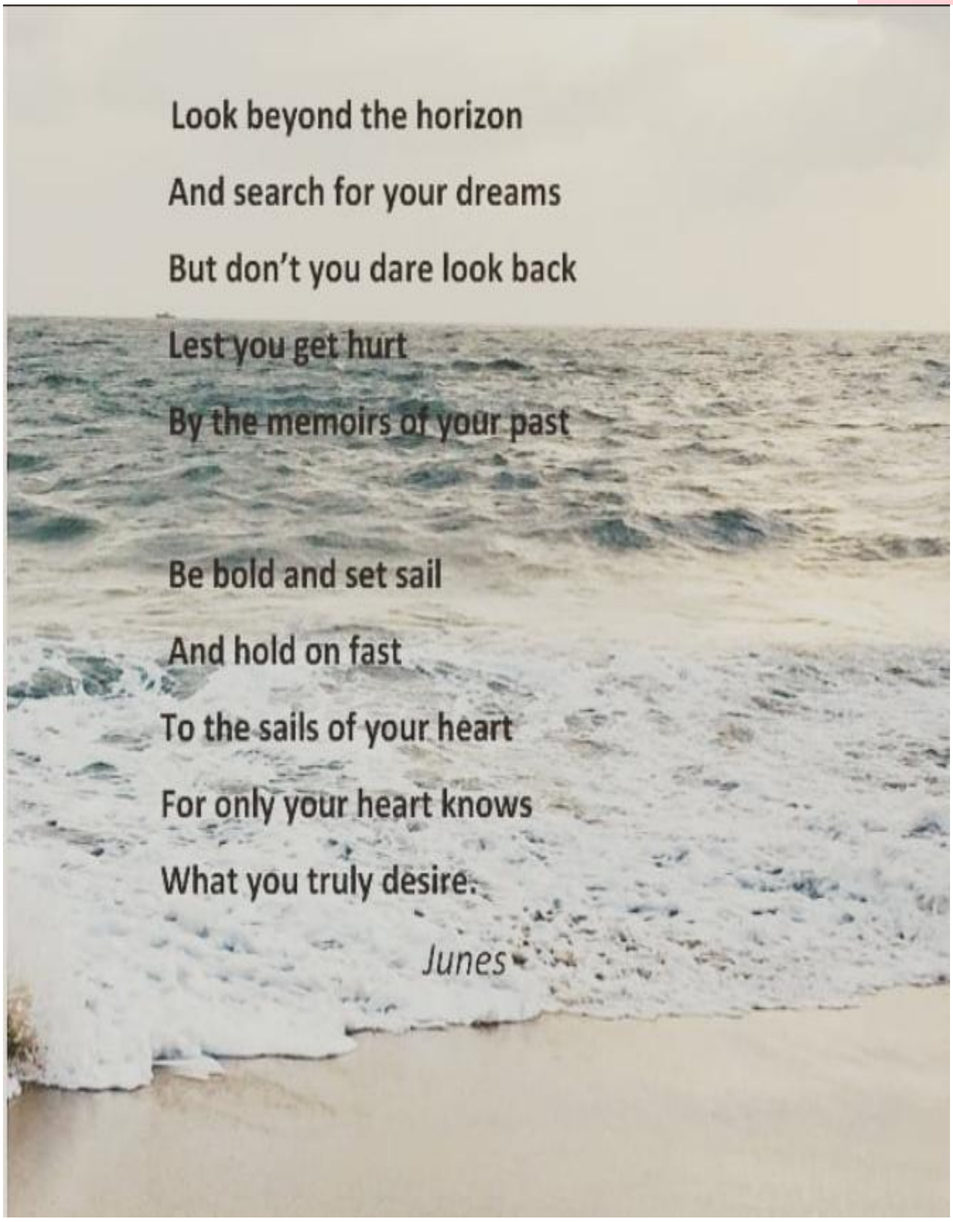

"If you want to live a happy life, tie it to a goal, not to people or things."
– Albert Einstein

The Outbreak of Corona Virus disease

ज्युवल मरिया साबू **,(प्लस 1) केंद्रीय विद्यालय, कोट्टयम**
श्रीमती. अनिला पी.के.(समप्र प्रशासन एवं ज.सं.) की सुपुत्री **Jewel Maria sabu**

The Outbreak of Corona Virus disease is a form of Pandemic which spread all over the World. So the lockdown has been implemented in our country due to the Corona Virus epidemic, which leads to the shutdown of all services except emergency services.

Even the school and colleges have also been closed and Covid-19 pandemic transformed the way education was delivered.Govt of India issued instructions to the sc hool college teachers that all students be taught Online at home during the lockdown.

Online classes allow me to be at home with my family and feeling safe also. In online classes with the help of some apps,we discussed our thoughts,prepared assignments,conducting online non academic cultural programms,school assembly also.We all are also giving on line tests using the internet.Some students felt difficult in joining classes due to internet issues.But over time my school was able to adjust things quickly,my teachers were very co operative and were great.They organized each classes very interests.

I think,I followed a strict plan according to my time table. I was able to spend time with my family members.Overall in my experience online classes are so much good as compared to tradition classes during this crisis.

Thanking You

पेंसिल चित्र Pencil drawings

Sandra Ann Litto, **IISER TVM**
D/O Sri. Litto K Thomas
SDE Computer, O/o GMT, TLA

पेंसिल चित्र Pencil drawings

Sandra Ann Litto, IISER TVM
D/O Sri. Litto K Thomas
SDE Computer, O/o GMT, TLA

फाइबर-ऑप्टिक संचारण

फाइबर-ऑप्टिक संचारण एक प्रणाली है जिसमें सूचनाओं की जानकारी एक स्थान से दूसरे स्थान में ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से प्रकाश बिन्दुओं के रूप में भेजी जाती हैं। प्रकाश एक विद्युत चुम्बकीय तरंग वाहक विकसित करता है जो विधिवत् रूप से जानकारी को साथ ले जाते हैं। 1970 के दशक में इसे सबसे पहले विकसित किया गया, फाइबर-ऑप्टिक संचार प्रणाली ने दूरसंचार उद्योग में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है और सूचना युग के आगमन में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। विद्युत संचरण पर इसके फायदे के कारण, विकसित दुनिया में कोर नेटवर्क में ताबें की तारों की जगह काफी हद तक ऑप्टिकल फाइबर ने ले ली है।

फाइबर-ऑप्टिक्स के उपयोग की संचारण प्रक्रिया में निम्नलिखित मूल चरण होते हैं: एक ट्रांसमीटर के प्रयोग को शामिल कर ऑप्टिकल संकेत बनाना, फाइबर के साथ संकेत प्रसार करना, सुनिश्चित करना कि संकेत विकृत अथवा कमजोर नहीं हो, ऑप्टिकल संकेत प्राप्त करना और उसे एक विद्युत संकेत में परिवर्तित करना।

अनुप्रयोग

बहुत कम क्षीणन और हस्तक्षेप के कारण लंबी दूरी और उच्च-मांग अनुप्रयोगों में मौजूदा तांबे के तार की तुलना में ऑप्टिकल फाइबर के बहुत फायदे हैं। हालांकि, शहर के भीतर बुनियादी ढांचों का विकास अपेक्षाकृत कठिन और समय लेने वाले थे और फाइबर ऑप्टिक सिस्टम को स्थापित और संचालित करना जटिल और महंगा था। इन कठिनाइयों के कारण, फाइबर ऑप्टिक संचार प्रणालियों को प्राथमिक रूप से लंबी दूरी के अनुप्रयोगों के लिए स्थापित किए गए, जहां वे अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रसारण के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं, वृद्धि की लागत समायोजित की गई। 2000 के बाद से फाइबर ऑप्टिक-संचार की कीमतों में काफी गिरावट आई है। नेटवर्क आधारित एक तांबे के रोल की तुलना में घर के लिए फाइबर के रोल की कीमत वर्तमान में अधिक किफायती है।

1970 में कॉर्निंग ग्लास वर्क्स के द्वारा ऑप्टिकल फाइबर का सफलतापूर्वक विकास किया गया, कम क्षीणन के साथ जो संचार के उद्देश्यों (करीब 20 dB/किमी) के लिए पर्याप्त था और उसी समय में GaAs सेमीकनडक्टर लेज़र विकसित किए गए थे जो ऑप्टिक फाइबर के माध्यम से प्रकाश की लंबी दूरी के प्रसारण के लिए उपयुक्त था।

1975 से शुरू हुए अनुसंधान की एक अवधि के बाद, पहली व्यावसायिक फाइबर ऑप्टिक संचार प्रणाली विकसित की गई, जिसे चारों ओर 0.8 µm के एक तरंगदैर्घ्य पर संचालित किया गया और GaAs सेमीकनडक्टर लेज़र को इस्तेमाल किया गया। यह पहली-पीढ़ी प्रणाली 45 एमबीपीएस के बिट के दर पर 10 किलोमीटर पुनरावर्तक के अंतर के साथ परिचालित की गई।

जल्द ही 22 अप्रैल 1977 को, जनरल टेलीफोन और इलेक्ट्रॉनिक्स ने पहली फाइबर ऑपटिक 6 Mbit/s के माध्यम से लाइव टेलीफोन यातायात लॉन्ग बीच़, कैलिफोर्निया भेजा.

1980 के दशक में दूसरी पीढ़ी का फाइबर ऑप्टिक संचारण वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए विकसित किया गया था, जिसे 1.3 µm, InGaAsP सेमीकनडक्टर लेज़र पर परिचालित किया गया। हालांकि शुरू में इन पद्धतियों को प्रकीर्णन द्वारा सीमित किया गया, 1981 में एकल मोड फाइबर के प्रदर्शन से प्रणाली में बहुत सुधार हुए. 1987 तक, इन प्रणालियों को 1.7 जीबी के बिट के दर पर 50 किलोमीटर पुनरावर्तक के अंतर के साथ परिचालित किय गया।

पहली ट्रान्सअटलांटिक टेलीफोन केबल में ऑप्टिकल फाइबर TAT-8 का उपयोग किया गया था, जो डीसरवायर ऑपटिमाइज्ड लेज़र एमप्लिफिकेशन टेक्नोलॉजी पर आधारित था। 1988 से इसका परिचालन होने लगा।

तीसरी पीढ़ी के फाइबर ऑप्टिक सिस्टम 1.55 µm पर संचालित होता था और 0.2 dB/किलोमीटर का घाटा था। तरंगदैर्घ्य पर पल्स-प्रसार के साथ परम्परागत InGaAsP सेमीकनडक्टर लेज़र के उपयोग करते हुए, कठिनाइयों के बावजूद इसे हासिल किया गया। वैज्ञानिकों ने फैलाव-स्थानांतरित फाइबर का उपयोग किया जिसे कम से कम फैलाव 1.55 µm या एकल अनुदैर्घ्य मोड द्वारा सीमित किया और इस कठिनाई से ऊबरे. इन घटनाओं ने अंततः तीसरी पीढ़ी प्रणाली को वाणिज्यिक 2.5 Gbit/s पर 100 किलोमीटर पुनरावर्तक के अंतर के साथ संचालित करने की अनुमति दी।

चौथी पीढ़ी के फाइबर-ऑप्टिकल संचारण ऑप्टिकल प्रवर्धन का इस्तेमाल करती हैं, जिसे पुनरावर्तक को कम करने की आवश्यकता के लिए और तरंगदैर्ध्य-विभाजन बहुसंकेतन की डेटा क्षमता में वृद्धि के लिए उपयोग की जाती हैं। 1992 में इन दोनों के सुधार ने क्रांतिकारी परिणाम दिखाए जिसकी क्षमता हर 6 महीने में दोगुनी होने लगी, 2001 तक बिट दर 10 Tb/s पहुँच गया था। हाल ही में, बिट दर 14 Tbit/s ऑप्टिकल एम्पलीफायरों के उपयोग से एकल 160 किलोमीटर लाइन के ऊपर पहुँच गया है।

फाइबर ऑप्टिक संचारण की पांचवीं पीढ़ी के विकास के लिए ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जिसे डब्लू डी एम प्रणाली के ऊपर तरंगदैर्घ्य की सीमा तक परिचालत किया जाता है। पारंपरिक तरंगदैर्घ्य विंडो, जो सी बैंड के नाम से जाना जाता है, जिसमें तरंगदैर्घ्य रेंज 1.53-1.57 µm शामिल है और नए *शुष्क फाइबर* एक कम नुकसान वाला विन्डो का विस्तार 1.30-1.65 µm की सीमा पर हो रहा है। अन्य विकासों में ऐसी अवधारणा है किऑप्टिकल सोलीटन्स, पलसेस एक विशेष आकार का उपयोग करते हुए फैलाव के प्रतिकार को ननलीनियर के साथ उनके विशेष आकार में बनाए रखती हैं।

1990 के दशक से 2000 तक, उद्योग प्रमोटरों और अनुसंधान कंपनियों जैसे केएमआई और आरएचके ने भविष्यवाणी की कि **इंटरनेट** और बैंडविड्थ उपयोग की वजह से हुए

व्यावसायीकरण, उपभोक्ता मांग, मांग पर वीडियो के कारण इसकी मांग में विशाल रूप से वृद्धि होने वाली है। इंटरनेट प्रोटोकॉल डेटा यातायात तेजी से बढ़ रहा था, मूर की विधि के तहत जटिल सर्किट एकीकृत की दर से भी तेज गति से बढ़ रहा था। 2006 से डॉट कॉम के ऊपरी बुलबुले से, तथापि, उद्योग की प्रवृत्ति के मुख्य समेकन के लिए और विनिर्माण कंपनियों के अपतट के लिए लागत को कम किया गया।

प्रौद्योगिकी

आधुनिक फाइबर ऑप्टिक संचार प्रणालियों में आमतौर फाइबर शामिल एक ऑप्टिकल ट्रांसमीटर होता है जो ऑप्टिकल सिगनल को कन्वर्ट कर ऑप्टिकल फाइबर को भेजता है, एक केबल जिसमें ऑप्टिकल फाइबरों का एक बंडल को कराई और इमारतों के नीचे भूमिगत नलिका के माध्यम से कई एम्पलीफायरों, एक ऑप्टिकल रिसीवर जो संकेतों को बिजली के संकेत के रूप में प्राप्त करते हैं। आम तौर पर प्रेषित जानकारियां डिजिटल जानकारी होती हैं जो टेलीफोन प्रणालियों और केबल टीवी कंपनियों के लिए कंप्यूटर से उत्पन्न की जाती हैं।

....

-संकलन

FTTH (Fibre-to-the-Home)

FTTH includes fiber-optic access solutions designed for residential deployments. In FTTH networks, fibers are directly connected to individual homes or multitenant buildings. FTTH includes various flavors of both PONs and PTP Ethernet-based solutions. Fiber-to-the-node (FTTN) solutions where fibers are not installed all the way to the residential premises are not included in the FTTH segment. FTTN solutions are instead tracked according to the technology used in the last mile (typically VDSL). With FTTH solutions, the “in-house” connectivity may be based on fiber, coaxial cable, copper or wireless technologies. FTTH covers only the electronics associated with the FTTH rollouts; it excludes associated cabling and civil works.

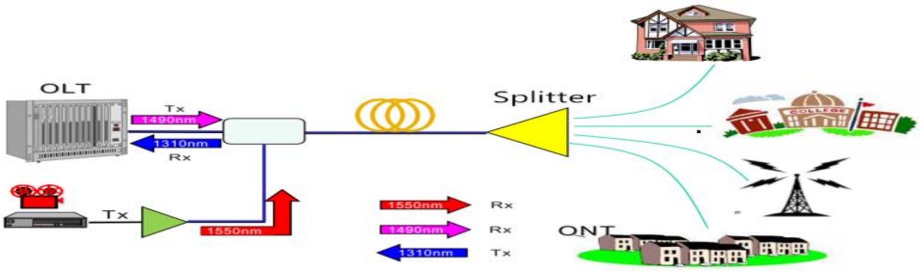

FTTH (Fibre-to-the-Home): With this connection, broadband provides run the internet cable directly to the homes that help to offer fastest internet speed round the clock with strong connectivity. FTTB (Fiber to the Building/Basement): This connection does not run cable directly to user's living space.ibre to the Premises runs over a fibre optic cable from the telephone exchange, all the way to inside your property. The fibre from the exchange is normally terminated on the outside wall of a home, and a short fibre lead run inside to the fibre modem, which then offers an Ethernet connection to a broadband router.

राजभाषा अधिनियम 1963

धारा 3(2) के अनुसार हिंदी कार्यान्वयन के लिए द्विभाषी प्रयोग शुरू किया।
धारा 3 (3) के अनुसार निम्नसूचित दस्तावेज़ों को अनिवार्य रूप से द्विभाषी रखना चाहिए-
संकल्प, सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचनाएँ, प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्ट, प्रेस विज्ञप्तियां, संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखे जाने वाली प्रशासानिक तथा अन्य रिपोर्ट, सरकारी कागज़-पत्र, संविदाएँ, करार, अनुज्ञप्तियाँ, अनुज्ञाप्तर, टेंडर नोटिस और डेंटर प्रपत्र
संशोधित 1967
राजभाषा नियम- 1976
इन नियमों के अनुसार संपूर्ण देश को क, ख, ग जैसे तीन क्षेत्रों में रखा गया।

क- बिहार , हरियाना, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, उत्तरांचल, झारखंड, छत्तीसगढ़, आंडमान निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली ,केंद्रशासित प्रदेश

ख- गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़ संघ शासित क्षेत्र

ग- अन्य सभी राज्य और संघ शासित क्षेत्र ग में आते हैं।

पुरस्कारों के साथ एक प्रतिभा ...

GOPIKA G. , D/o Priya & Maneesh,O/ GMT, PTA
(ree Bhadra College of Paramedical Sciencesand Technology)

GOPIKA G. , D/o Priya & Maneesh,O/ GMT, PTA (ree Bhadra College of Paramedical Sciencesand Technology)

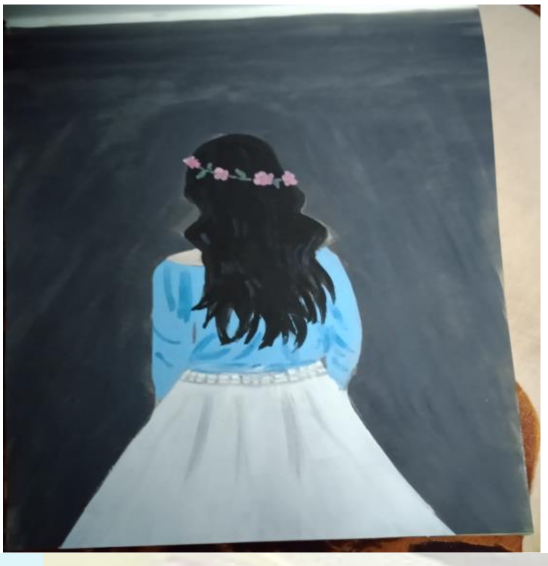

സമകാലീന ഇന്ത്യയും മായുന്ന മാനുഷിക മൂല്യങ്ങളും

Beena John,
AOS,O/o GMT,
TLA

ഭരണഘടനയുടെ കരട് അംഗീകരിക്കുന്ന സമയത്ത് ഡോ.ബി.ആർ. അംബേദ്കർ സൂചിപ്പിച്ചു, വൈരു ദ്ധ്യങ്ങളുടെ ജീവിത ത്തിലേക്കാണ് നാം ഇനി പ്രവേശിക്കുന്നത്. രാഷ്ട്രീയത്തിൽ നമുക്ക് സമത്വമുണ്ട്. എന്നാൽ സാമൂഹികവും സാമ്പത്തിക വുമായ ജീവിതത്തിൽ അസമ ത്വമാണ് നാം അഭിമുഖീകരിക്കുവാൻ പോകുന്നത്. റിപ്പബ്ലിക്കായിട്ട് ഏതാണ്ട് 25 കൊല്ലം തികയുന്നതിനു മുമ്പ് തന്നെ ഇന്ത്യ ഒരു മതനിരപേക്ഷ രാഷ്ട്രമാണെന്ന് ഭരണഘട നയിൽ എഴുതി ചേർക്കേണ്ടതായി വന്നു.

ജീവശ്വാസം പോലെ പ്രാധാന്യ മേറിയതാണ് മതനിരപേക്ഷത. വിഭാഗീയതക്ക് ഉപരിയായി മതനിരപേക്ഷതയിൽ, ഒന്നിച്ച് നില്ക്കണം. മതത്തിൽ വിശ്വസി ക്കുന്നവരും, അല്ലാത്തവരും അനായാസ മായി, പൂർണ്ണ സ്വാതന്ത്ര്യത്തോടെ ജീവിക്കുവാൻ ഇടം നൽകുന്ന രാജ്യമാണ് ഇന്ത്യ. ഇത് ഭരണഘടനയിലധിഷ്ഠിതമായ അവ കാശമാണ്.അതോടൊപ്പം തന്നെ ദുർബല വിഭാഗങ്ങൾക്ക് പരിരക്ഷയും ഉറപ്പാക്കുന്നു. നമ്മുടെ ദേശീയത മതത്തിനും രാഷ്ട്രീയത്തിനും ഉപരിയായ മഹത്തരമായ ഒരു ആശയവും, അനുഭവവുമാണ്. മതസ ഹിഷ്ണതയും മതസൌഹാർദ്ദവും തകർ ക്കപ്പെടാതെ കാത്തു സൂക്ഷിക്കുന്ന തിന്, ഏതൊരു ഇന്ത്യൻ പൌരനും കടമ യുണ്ട്. സാംസ്കാരിക നായകന്മാ രെയും, ഇന്ത്യയുടെ കലാ സാംസ്കാരിക പൈതൃ കത്തെയും അതിനുള്ള എല്ലാ സത്തയോടും, തനിമയോടും പൌരാണി കതയോടും കൂടി സംരക്ഷിക്കപ്പെടേണ്ടത് രാജ്യത്തെ മാനുഷിക മൂല്യങ്ങൾ തകർന്ന ടിയാതിരിക്കാൻ അത്യന്താ പേക്ഷിതമാണ്.

സമൂഹത്തിലെ ന്യൂനപക്ഷങ്ങളെ സംരക്ഷി ക്കുക, സ്ത്രീകൾ, കുട്ടികൾ, ദളിതർ, കലാ കാരന്മാർ, ആദിവാസികൾ, ഇവരുടെ യെല്ലാം സുരക്ഷിത ത്വം ഉറപ്പാക്കുക ഇവയെല്ലാം ഒരു പരിഷ്കൃത സമൂഹ ത്തിനുള്ള കാഴ്ച പ്പാടാണ്. വിദേശ രാഷ്ട്രങ്ങൾ ഇന്ത്യയുടെ മതനിരപേക്ഷത കണ്ടു പ്രവർത്തിക്കുമ്പോൾ നാമറിയാതെ ആ മൂല്യം നഷ്ടപ്പെടുത്തുന്നത് തികച്ചും വേദനാജനകമാണ്. ഇന്ന് നമ്മുടെ സമൂഹത്തിലേക്കൊന്നു തിരിഞ്ഞു നോക്കിയാൽ മനസ്സിലാക്കപ്പെടുന്നത് സമകാലീന ഭാരതത്തിലെ മായുന്ന മാനുഷിക മൂല്യങ്ങളാണ്.

നമ്മുടെ നാട്ടിൽ നിലനില്ക്കുന്ന സംസ്കാരം രൂപപ്പെട്ടു വന്നത്, വിവിധ സംസ്കാ രങ്ങൾ, വിവിധ ഭാഷകൾ, കലാരൂപങ്ങൾ, മതവിശ്വാസങ്ങൾ എന്നിവ ഉൾക്കൊണ്ടുകൊണ്ടാണ്.വിദേശ രാജ്യങ്ങളു മായി ഇന്ത്യക്ക് പണ്ടുതൊട്ടേ ബന്ധങ്ങളുണ്ടാ യിരുന്നു.അത്തരം സംസ്കാരങ്ങളെ തുറന്ന മനസ്സോടെ സ്വീകരിക്കുകയും, അംഗീക രിക്കുകയും ചെയ്തിരുന്നു. ഇങ്ങനെ വിവിധ സംസ്ഥാനങ്ങളിലെ സംസ്കാരവും, നമുക്കു സ്വീകരിക്കാൻ പറ്റുന്ന വിദേശ സംസ്കാരവും ചേർന്ന് ഉണ്ടായതാണ് ഭാരത സംസ്കാരം. ഇഴ പിരിച്ച് നെയ്തെടുത്ത ഈ ഇന്ത്യൻ സംസ്കാരം സംരക്ഷിക്കപ്പെടേണ്ടതുതന്നെ. എല്ലാ വിഭാഗങ്ങളെയും കൂട്ടിച്ചേർത്ത് നിർത്തുക യെന്നത് നമ്മുടെ മതേതരത്വ സംസ്കാരം സംരക്ഷിക്കുന്നതിനും രാജ്യ പുരോഗതി ക്കും അനിവാര്യമാണ്. അതേസമയം വിശ്വാസികൾക്ക് അവരുടെ വിശ്വാസം ഏതു മതത്തിലായാലും അതിൽ തുടരുന്നതിനുംവിശ്വാസം ഇല്ലാത്തവർക്ക് അങ്ങനെ തുടരുന്നതിനുമുള്ള അവകാശവും ഉറപ്പു വരുത്തുന്നതാണ് ഭരണഘടന. നമ്മുടെ ഭരണ ഘടനയനുസരിച്ച് , സോവറിൻ, സോഷ്യലിസ്റ്റ്, സെക്യുലർ, ഡെമോക്രാറ്റിക്ക് റിപ്പബ്ലിക്ക് ആണ് ഇന്ത്യ. ഈ അവസ്ഥക്ക് മാറ്റം വരുമ്പോൾ, ജനങ്ങളുടെ സുരക്ഷയ്ക്കും മാറ്റം വരുന്നു. O

D/o Smt. Reya Varghese, JAO (Estt)

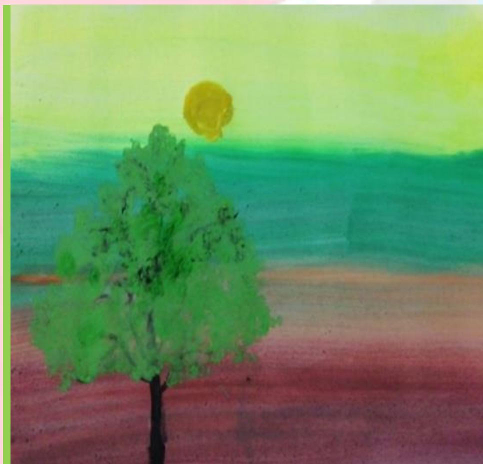

ADITHYA KRISHNA S

S/o SAJEESH R SUNDAR,JTO BSNL

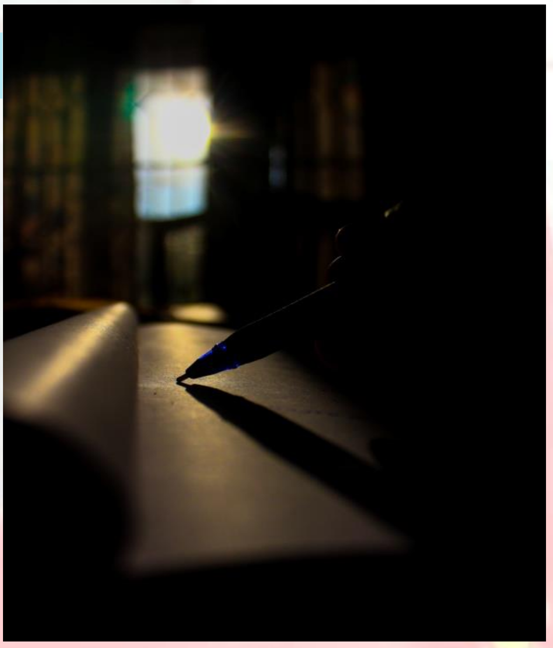

മഷി, പ്രണയിക്കുന്ന താളുകളെ തേടി
മുന്നിലുള്ള പ്രതിബന്ധങ്ങളെ മറികടന്ന്
താളുകളുടെ ഉള്ളിലേക്ക്
ഊർന്നിറങ്ങുന്നു...!

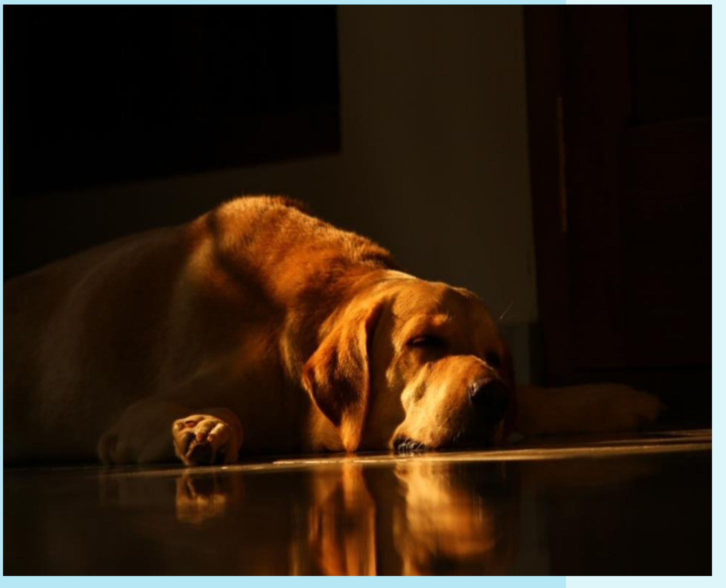

"वैष्णव जनतो "

[Devanagari](#)	**Translation**
वैष्णव जन तो तेने कहियेजे पीड परायी जाने रे । पर दुःखे उपकार करे तो ये मन अभिमान न आने रे ॥	Call those people Vaishnav who Feel the pain of others, Help those who are in misery, But never let self-conceit enter their mind.
सकल लोकमां सगुने वंदे, निंदा न करे केनी रे । वाच काज मन निश्चल राखे, धन धन जननी तेनी रे ॥	They respect the entire world, Do not disparage anyone, Keep their words, actions and thoughts pure, The mother of such a soul is blessed.
समदृष्टि ने तृष्णा त्यागी, परस्त्री जेने मात रे । जिह्वा थकी असत्य न बोले, परधन नव झाले हाथ रे ॥	They see all equally, renounce craving, Respect other women as their own mother, Their tongue never utters false words, Their hands never touch the wealth of others.
मोह माया व्यापे न हि जाने, दृढ़ वैराग्य जाना मनमें रे । रामनाम शुं ताळी रे लागी, सकल तीरथ तन तन में रे ॥	They do not succumb to worldly attachments, They are firmly detached from the mundane, They are enticed by the name of Raam, All places of pilgrimage are embodied in them.
वणलोभी ने कपटरहित छा, काम क्रोध निवार्या रे । भणे नरसैयॊ तेनुं दरसन करतां, कुळ एकोतेर तार्या रे ॥	They have forsaken greed and deceit, They stay afar from desire and anger, Narsi says: I'd be grateful to meet such a soul, Whose virtue liberates their entire lineage

This devotional hymn became popular during the life time of Mahatma Gandhi and was rendered as a *bhajan* in his Sabarmati Ashram by vocalists and instrumentalists like Gotuvadyam Narayana Iyengar. It was popular among freedom fighters throughout India. Often sung by singers since then, it serves as the final song to end a concert and touch music lovers with the philosophical thought of poet Narsinh Mehta.

Song by Several artists like Lata Mangeshkar , K.S.ChithraGotuvadyam Narayana Iyengar

Jagjit SinghM. S. Subbulakshmi Published 15th century **Genre** Bhajan, devotional poetry Songwrite Narsinh Mehta

पत्तनंतिट्टा बीए विशेष खबर

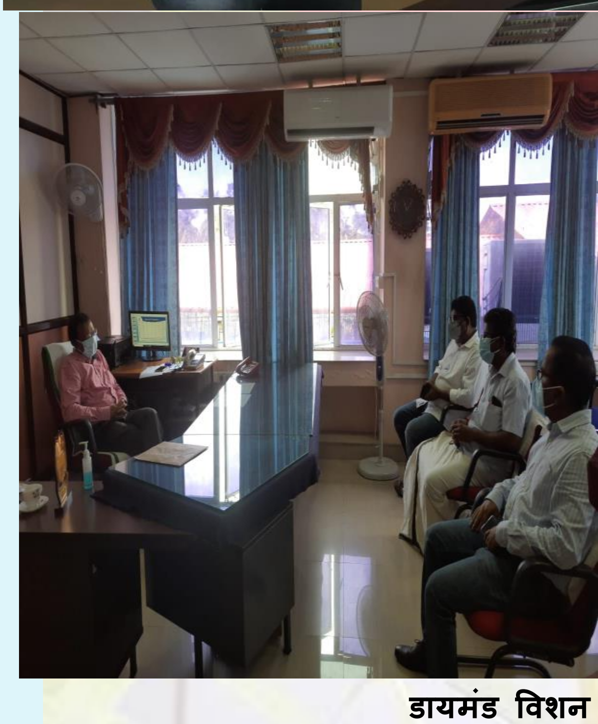

डायमंड विशन को सराहना पत्र

M/S Diamond Vision started associating with BSNL as an overhead OF cable pulling contractor of FTTH from 207 onwards in Pathanamthitta BA. As a non exclusive LCO, in the last 3 years they have provided 830 connections at Kidangannor and surounding villages.GMT PTA BA issued a certificate of appreciation to M/s Diamond Vision on 06.08.2021.

Breaking common sense!

(By Michael Issac P, JAO (OSP,EB &VAS)

Because our expectations are based on a restricted set of experiences, there's no reason to expect the laws of nature to continue to respect our expectations once we leave those domains of human experience.Worse yet, common sense often blinds us to the reality of our own interior world, which is worse than the wrong beliefs we've held for millennia about our planet's shape, motion, and position in the cosmos simply because it feels flat and steady beneath our feet and is the centre of everything we know.

Commonsense is essentially immoral, because humanity's innate values are as illogical as the magical rites that have existed from the dawn of time. At its worst, commonsense is just common sense, and as a result, everything is cheapened by its presence. Common sense is square, but all of life's most important views and values are gloriously round, like the universe or the sun.

Of fact, this "common sense" is the source of many of our social and civilizational prejudices, ranging from the fanatical geocentrism that nearly cost Galileo his life to the mindless majority rule that James Baldwin so vehemently criticised. As a result, it is the breeding ground for conformity and hence the adversary of a society's growth, which requires us to rise above our common lot of belief.

When considering why we conform, Kierkegaard observed that "truth always rests with the minority, and the minority is always stronger than the majority, because the minority is generally formed by those who truly have an opinion, whereas the strength of a majority is illusory, formed by gangs who have no opinion."

With an eye to the countless crimes against sanity and justice committed by blind faith in so-called common sense, Nabokov adds:It's interesting to consider that there isn't a single person in this room, or any room in the globe, who would not be put to death right now, by a commonsensical majority in righteous anger, at some conveniently chosen point in historical space-time. The colour of one's faith, neckties, eyes, ideas, manners, and voice will undoubtedly collide with a stranger at some point in time or place.And the closer a guy gets to the stake, the more bright and unique he is.

Stranger is a word that always conjures up images of danger. The humble prophet, the cave enchanter, the angry artist, and the nonconforming young schoolboy all face the same holy peril. And with that in mind, let us bless them, let us bless the freak, since the ape might never have evolved into a human in the natural order of things.

Anyone whose mind is arrogant enough not to breed true carries a bomb in the back of his mind, and I propose that we take that private bomb and carefully drop it on the model city of common sense, simply for the pleasure of it. appear; our rarer senses will supplant for a brief spell the dominant.

In a way, we're all collapsing from the top storey of our birth to the flat stones of the graveyard.These asides of the spirit, these footnotes in the volume of life, these childishly speculative states of mind, so distinct from common-sense and its logic, are the greatest forms of awareness, and it is in this childishly speculative state of mind that we know the world to be good.

****

Languages on notice-boards / name plates to be displayed by Central Govt. offices located in Non-Hindi Speaking areas.

+Ë½þnùÒ ¦ÉÉ¹ÉÒ lÉäjÉÉå ¨Éå ÎºlÉiÉ EåòpùÒªÉ ºÉ®úEòÉ®ú EòÉªÉÉÇ±ÉªÉÉå ¨Éå VÉxÉiÉÉ EòÒ ºÉÚSÉxÉÉ Eäò Ê±ÉB ±ÉMÉÉB,VÉÉxÉä ´ÉÉ±Éä xÉÉ¨ÉÉå Eäò ¤ÉÉäb÷Éç , xÉÉ¨É {É]Âõ]õÉå iÉlÉÉ =xÉEäò uùÉ®úÉ VÉxÉiÉÉ EòÒ ºÉÚSÉxÉÉ Eäò Ê±ÉB ±ÉMÉÉB VÉÉxÉä ´ÉÉ±Éä xÉÉäÊ]õºÉ ¤ÉÉäb÷Éç ¨Éå lÉäjÉÒªÉ ¦ÉÉ¹ÉÉ, Ë½þnùÒ iÉlÉÉ +ÆOÉäWÉÒ EòÉ |ÉªÉÉäMÉ ÊEòªÉÉ VÉÉB ÊVÉºÉúEòÉò Gò¨É ¦ÉÒ <ºÉÒ °ü{É ¨Éå ½þÉä +Éè®ú ºÉ¦ÉÒ ¦ÉÉ¹ÉÉ+Éå EòÒ Ê±ÉÊ{ÉªÉÉå Eäò +lÉ®úÉå EòÉ +ÉEòÉ®ú ¤É®úÉ¤É®ú ½þÉä* EòÉªÉÉÇ±ÉªÉÉå Eäò +ÉÆiÉÊ®úEò |ÉªÉÉäMÉ Eäò Ê±ÉB xÉÉ¨É {É]Âõ]õ, ºÉÚSÉxÉÉ {É]Âõ]õ,{ÉjÉ ¶ÉÒ¹ÉÇ +ÉÊnù Ë½þnùÒ +Éè®ú +ÆOÉäWÉÒ ¨Éå iÉèªÉÉ®ú ÊEòªÉÉ VÉÉB*

Name plates/notice boards to be displayed for the information of the public by Central Government offices and Undertakings located in non-Hindi speaking areas should be in Regional Language, Hindi and English and the languages would be in the order mentioned above and the letters of the script of all the languages should be of the same size. name plates, sign boards, letter heads etc for internal use of the offices should be prepared both in Hindi and English.

प्रशासन Administration	आज Today
सूचना Information	कल Yesterday, Tomorrow
अनुमोदन Approval	परसों Day after Tomorrow
मसौदा Draft	महीना Month
सुझाव Suggestion विचारार्थ For consideration	तारीख Date
बैठक Meeting	दिनांक Dated
कार्यान्वयन Implementation	दिन, दिवस Day
	वर्ष, साल Year

Eliminating single use plastic - Significance and possibilities

Sandra Ann Litto ,D/o Sri.Litto K.Thomas, SDE (Computer), TLA which won first prize in World Environment Day essay competition conducted for IISER students by Science and Technology Council.

Introduction

****

“If we don’t take rapid action, the plastic value chain will consume 15 percent of the global carbon budget by 2050. We should act today to succeed the plastics crisis and global climate crisis.” said Patrick Bürgi, co-founder of South Pole Group in COP 25, Madrid. World Environment Day 2021 focuses on Ecosystem Restoration and marks the launch of UN Decade on Ecosystem Restoration. It is an essential pathway of action towards attainment of Sustainable Development Goals and Agenda 2030 (UN General Assembly, Rio de Janerio). Mitigating plastic related greenhouse gas emissions assume top priority in ecosystem restoration.

Role of single use plastic in ecosystem degradation
****
The use of lighter and affordable plastic alternatives as a ubiquitous commodity,replacing paper and glass has skyrocketed in latter half of last century. Among 8.9 billion MT of plastics produced since 1950s, half the quantity accounts for 2001-2020 alone.

Global production of plastics has increased 200 fold since to 386 MT annually, which could ultimately end up as potential pollutants degrading the ecosystem. Single-use plastics are made from fossil fuel based petrochemicals. They add to environmental carbon footprint in diverse ways. In soil, it blocks soil pores and disrupt physio-chemical properties of soil leading to lower production. They remain intact for decades and accumulate in water and air posing severe threat to environment and biodiversity.

Plastic pollution and animal health
****
Thrown away plastic is broken up to undetectable microplastics with time and is seen everywhere in atmosphere. Toxic chemicals from plastic also leach into water. It leads to death of fishes and other animals, either by ingesting or getting strangled in it. In animals, plastic results in punctured organs or fatal intestinal blockages. Microplastics eaten up by fishes eventually reach human body. Several chemicals in plastics like phthalate DEHP are endocrine disruptors which lead to hormonal imbalances, infertility, zygote malformation and even cancer in humans.

The green altenatives – The 5R’s

****

Reducing carbon footprints caused by irrational use of single-use plastic is very important. The 5R's in the context of eliminating plastic pollution stand for refuse, reduce, reuse, recycle and raising awareness.

Refuse refers to complete avoidance of plastic products. Paper or cloth containers could be used instead. Single-use plastics are not even collected by plastic recycling units due to their small dimensions which cause blocks in recycling machineries.

Reduce implies avoiding use of plastics as far as possible. Plastic contributes to greenhouse gas emissions at every point of production. Locating its raw materials also requires clearing of forests and wetlands that otherwise would have sequestered green house gases. If plastic production continues unabated, greenhouse gas emissions could reach 1.34GT annually by 2030, which is roughly equal to 300 coal power plants.

Reuse reduces the load of plastic disposed. Carrying reusable bags and containers while shopping will avoid single-use plastic option. Plastic is exported from developed countries to developing countries for recycling. For example, SE Asia imports plastic from China. This leads to accumulation of toxic plastic wastes in vulnerable communities, who lack adequate resources to recoup.

Recycle plastic to reduce carbon footprint. Repeatedly used packing alternatives may be resorted to. Compostable or biodegradable plastic should be popularized. For example, polyethylene terephthalate, used in plastic bottles and containers, can be recycled to diverse products like polyester fabric and automotive parts.

Raising awareness on deadly impacts of single-use plastic to human health and ecosystem is of utmost importance. Around 92 percent of total plastic consumed remains unrecycled and ends up as toxic pollutant in the ecosystem. Remember, a reusable water bottle can eliminate the use of hundreds of plastic bottles a year.

Bans and legislatures for elimination of single use plastics

****

Enforcing bans on single-use plastic prevent enormous quantities of plastic from entering the ecosystem annually. Strict enforcement of bans has been found successful in several cases. For instance, California State in US has cut down its plastic usage by 85 percent following its ban in 2014.

It is extremely essential that the pilgrim and tourist hotspots of the country should observe strong ban on plastic. Sikkim was the first state to enact the country's first plastic bag ban in 1998. States like Tamilnadu and Maharashtra run way ahead in this endeavor.

Ministry of Environment, Forests and Climate Change, Government of India hasproposed the draft of a three phased ban on the manufacture, use, sale, import andhanding of single-use plastic, on March 13, 2021 with the objective of eliminating single use plastic by 2022. First phase is proposed to be enacted from September 30, 2021 wherein, carry bags made of compostable plastic or virgin/ recycled plastic above 120 microns is made mandatory. In second phase,

six categories of single-use plastic, including plastic sticks for earbuds, balloons, candies, icecream etc., plastic flags and polystyrene for decoration purposes will be banned from January 1, 2022. By third stage from July 1, 2022, there will be complete ban on single-use plastics in India. Besides reducing environmental pollution and curbing the demand for plastic production, bans also lead to positive cultural and behavioral shifts, as manufacturers are forced to produce innovative designs and eco-friendly materials and consumers will recognize that exorbitant and preventable waste is not sustainable.

Green supply chain implies use of bioplastic or edible packaging which reduces petrochemical raw materials. Engineered recovery systems should be designed for degrading plastics.

Carbon pricing at national and international level signals the companies and countries to discontinue plastic-based activities and stimulate the development of greener and efficient technologies instead.

Conclusion

****

Both the carbon footprint and toxicity of single-use plastics are dangerous. Eliminating single-use plastics from daily life is more of an individual choice, but it dictates our underlying responsibility to the planet, nation and ultimately to the generations to come. Avoiding single-use plastic in its entirety is the demand of the hour to ensure healthy tomorrows. Apart from legislatures, such a revelation should emerge from the personal understanding that plastic is an entirely wrong option.

Poornasree R. , Class 5 B, Kendriya Vidyalaya Adoor
D/o Smt. Renjini K., JE, O/o DET Adoor

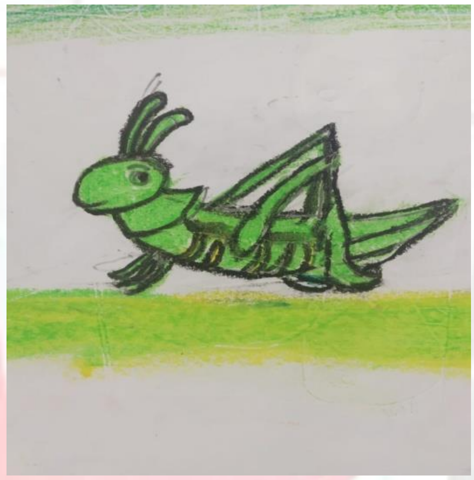

Gautm Shyam, Class-4

Good ShepherdPublic School, Thengana , S/o Sri. Shyam, SDE (Mktg),TLA

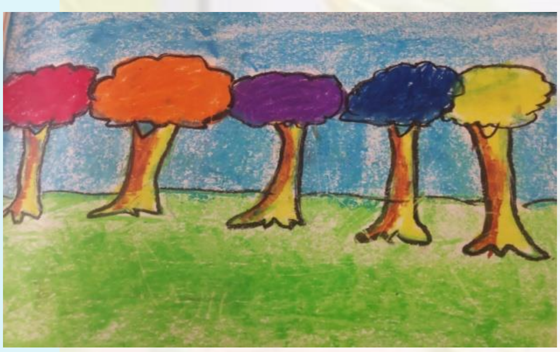

पत्तनंतिट्टा बीए की विभिन्न गतिविधियाँ........

महाप्रबंधक श्री. साजु जोर्ज के, आई टी एस एस द्वारा विभिन्न मंडलों का संदर्शन

......

पत्तनंतिट्टा बीए की विभिन्न गतिविधियाँ........

പത്തനംതിട്ട ജില്ലയിലെ ആദിവാസി ഊരുകളിൽ ഇന്റർനെറ്റ് എത്തുന്നു

By **Pathanamthitta Media - News Desk 01** August 1, 2021

പത്തനംതിട്ട : ആദിവാസി വിഭാഗത്തിൽപ്പെട്ട വിദ്യാർഥികൾക്ക് ഓൺലൈൻ പഠന സൗകര്യം ഉറപ്പുവരുത്തുന്നതിന് പത്തനംതിട്ട ജില്ലാ ഭരണകേന്ദ്രം നടപ്പാക്കുന്ന ട്രൈബൽ കണക്ട് പദ്ധതിക്ക് തുടക്കമായി. ആദിവാസി മേഖലകളിലെ വിദ്യാർഥികൾക്ക് ഓൺലൈൻ പഠന സൗകര്യം ഒരുക്കുന്നതിന്റെ ഭാഗമായാണ് ജില്ലാ

हिंदी पखवाड़ा 2021 पुरस्कार वितरण समारोह

सितंबर तिमाही में आयोजित की गई विभिन्न ऑनलाइन हिंदी कार्यशालाएँ

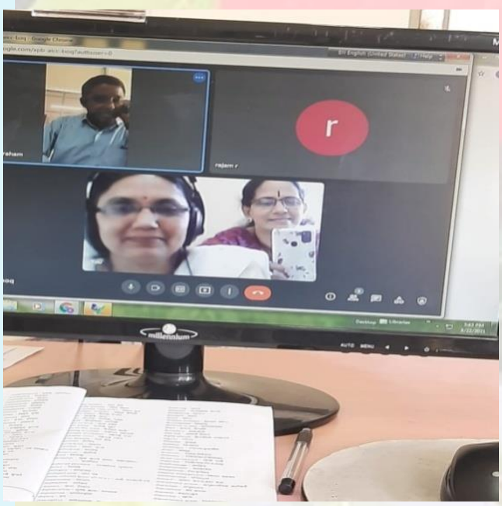

कोष़न्चेरी मंडल में .इं. जेकब सात्यू के नेतृत्व में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम से

खुश खबरी समाचार पत्र से

ട്രൈബൽ കണക്ട് പദ്ധതിക്ക് തുടക്കമായി

ഊരുകളിൽ ഇന്റർനെറ്റ് എത്തുന്നു

ചിറ്റാർ

ആദിവാസി വിഭാഗത്തിൽപ്പെട്ട വിദ്യാർഥികൾക്ക് ഓൺലൈൻ പഠന സൗകര്യം ഉറപ്പുവരുത്തുന്നതിന് ജില്ലാ ഭരണകേന്ദ്രം നടപ്പാക്കുന്ന ട്രൈബൽ കണക്ട് പദ്ധതിക്ക് തുടക്കമായി. സമ്പൂർണ ഓൺലൈൻ വിദ്യാഭ്യാസ സൗകര്യമുള്ള ജില്ല എന്ന പദവിയിലേക്ക് നയിക്കുന്നതിന്റെ ഭാഗമായി ആരോഗ്യ മന്ത്രി വീണാ ജോർജിന്റെ നിർദേശ പ്രകാരമാണ് പദ്ധതി നടപ്പാക്കുന്നത്. ഓൺലൈൻ കണക്ടിവിറ്റി തടസം നേരിടുന്ന ആദിവാസി മേഖലകളിൽ ബിഎസ്എൻഎല്ലിന്റെ സഹകരണത്തോടെ ജില്ലാ ഭരണകേന്ദ്രം പഠന സൗകര്യം ഒരുക്കി വരുകയാണ്. ആദ്യഘട്ടമായി പെരുനാട് ഗ്രാമപഞ്ചായത്തിലെ അരയാഞ്ഞിലിമൺ പട്ടിക വർഗ മേഖലയിലെ അങ്കണവാടി കെട്ടിടത്തിൽ ആരംഭിച്ച ഓൺലൈൻ പഠന കേന്ദ്രത്തിന്റെ ഉദ്ഘാടനം അഡ്വ. പ്രമോദ് നാരായണൻ എംഎൽഎ നിർവഹിച്ചു. ഇന്റർനെറ്റ് കണക്ടിവിറ്റി ലഭ്യമാക്കിയതിന്റെ സ്വിച്ച് ഓൺ കലക്ടർ ഡോ. ദിവ്യ എസ് അയ്യർ നിർവഹിച്ചു. വിദ്യാർഥികൾക്ക് സ്റ്റേറ്റ് ബാങ്ക് ഓഫ് ഇന്ത്യ നൽകിയ മൊബൈൽ ഫോണുകളുടെ വിതരണം എംഎൽഎയും കലക്ടറും ചേർന്ന് നിർവഹിച്ചു. എസ്എസ്എൽസി, പ്ലസ്ടു പരീക്ഷകളിൽ ഉന്നത വിജയം നേടിയ വിദ്യാർഥികളെ അനുമോദിച്ചു. ആദ്യഘട്ടമായി ഉപ്പുമാക്കൽ, കൈതക്കര, കോയിക്ക്രം, അരയാഞ്ഞിലിമണ്ണ് എന്നിവിടങ്ങളിൽ എഫ്ടിടിഎച്ച് (ഫൈബർ ടു ദ ഹോം)കണക്ഷൻ ബിഎസ്എൻഎൽ മുഖേന ലഭ്യമാക്കി. ഒറ്റപ്പെട്ട ഊരുകളിൽ വിദ്യാർഥികളുടെ പഠനം ഉറപ്പാക്കുന്നതിനും മേൽനോട്ടം വഹിക്കുന്നതിനും ബിഎഡ്, ടിടിസി യോഗ്യത ഉള്ള 21 മെന്റർ ടീച്ചർമാരെ പട്ടികവർഗ വികസന വകുപ്പ് നിയോഗിച്ചിട്ടുണ്ട്. പെരുനാട് പഞ്ചായത്ത് പ്രസിഡന്റ് പി എസ് മോഹനൻ അധ്യക്ഷനായി. പട്ടികവർഗ വികസന ഓഫീസർ എസ് എസ് സുധീർ, ജില്ലാ ലീഡ് ബാങ്ക് മാനേജർ സിറിയക്ക് തോമസ്, വാർഡംഗം സി എസ് സുകുമാരൻ, അരയാഞ്ഞിലിമൺ ഊരുമൂപ്പൻ ടി കെ ജോസ് എന്നിവർ സംസാരിച്ചു.

ട്രൈബൽ കണക്ട് പദ്ധതിയുടെ ഓൺലൈൻ പഠന കേന്ദ്രം അഡ്വ. പ്രമോദ് നാരായണൻ എംഎൽഎ ഉദ്ഘാടനം ചെയ്യുന്നു

ഓണം 2021

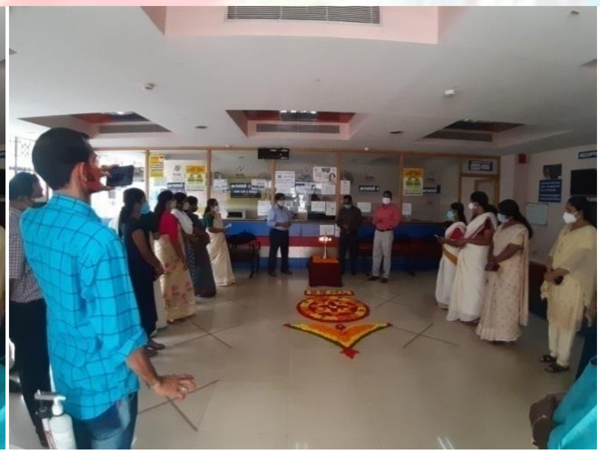

കഥ

രണ്ടു ദിവസം മുമ്പ്...

- അനു., W/o sri. Litto Thomas, SDE (Computer), TLA

തുടർച്ചയായ കനത്ത മഴകൾക്കു ശേഷമുള്ള തെളിഞ്ഞ പ്രഭാതം. ടൗട്ടേ ചുഴലിക്കാറ്റ് കടന്നു പോയ വഴികളിൽ ശേഷിപ്പിച്ച കരിയിലകളും ചെറു മരക്കൊമ്പുകളും മറ്റും മുറ്റം നിറയെ ചിതറിക്കിടന്നിരുന്നു. "ഇന്നിനി മുറ്റം വൃത്തിയാക്കുന്നത് വല്ലാതെ മെനക്കെട്ട ജോലിയാണല്ലോ" എന്നു ഞാൻ പലവട്ടം അടുക്കള ജനാലയിലൂടെ പുറത്തേയ്ക്കു നോക്കി ആത്മഗതമായും ഉറക്കെയും ആകുലപ്പെട്ടുകൊണ്ടിരുന്നു.

ഒടുവിൽ എൻ്റെ പരിദേവനം, ഊണുമുറിയിൽ, തൻ്റെ പാത്രത്തിൻ്റെ വക്കു വരെ ഇളംചുവപ്പു നിറമുള്ള ചട്നി നിറച്ച്, അതിലേക്ക് രണ്ട് തൂവെള്ള ഇഡ്ഢലിക്കുഞ്ഞന്മാരെ ഇറക്കി നീന്തൽ പഠിപ്പിച്ചു കൊണ്ടിരുന്ന അമ്മുവിൻ്റെ കാതിലെത്തി. "ഇന്ന് ഈ വീട്ടിലെ മുറ്റം ഞാൻ വൃത്തിയാക്കുന്നതായിരിക്കും." അമ്മു പ്രഖ്യാപിച്ചു.

ചട്നിയുടെ നിലയില്ലാക്കയത്തിൽ പെട്ട് മുങ്ങി മരിച്ച രണ്ട് ഇഡ്ഡലികളെയും കോവിഡ് മാനദണ്ഡപ്രകാരം സംസ്കരിച്ച ശേഷം അടുക്കളപ്പുറത്തിരുന്ന ഈർക്കിൽച്ചൂലുമെടുത്ത് അമ്മു കളത്തിലിറങ്ങി. അഞ്ചു മിനിറ്റ് warm up നു ശേഷം, അഹങ്കാരത്തോടെ മുറ്റം കൈയടക്കിയിരുന്ന കരിയിലകളെ വലതുകൈയിൽ മുറുകെപ്പിടിച്ചിരുന്ന ചൂലുകൊണ്ട്, തലങ്ങും വിലങ്ങും ബൗണ്ടറിയിലേക്ക് പായിച്ചു. കരിയിലകളോടൊപ്പം മുറ്റത്തെ കുറെ മണലും ജീവനും കൊണ്ട് പറപറന്നു. എല്ലാം നല്ല ഒന്നാന്തരം, ലക്ഷണമൊത്ത സിക്സറുകളും ഫോറും തന്നെ.

ഇടയ്ക്ക് അല്പം പ്രതിരോധിച്ചു നിന്ന ചെറു മരക്കൊമ്പുകളെ കാലും കൈയുമുപയോഗിച്ച് കൈകാര്യം ചെയ്തു. അനായാസം പൊരുതി കീഴടക്കിയ മരക്കൊമ്പുകളെ ഓരോന്നായി തലയറുത്ത് പറമ്പിലേയ്ക്ക് തള്ളി.

എന്നാൽ വിനയത്തോടെ മണ്ണിനോട് നനഞ്ഞൊട്ടിക്കിടന്ന ഇലകളെ കൈ കൊണ്ടെടുത്ത് ഏറെ ഉപദ്രവിക്കാതെ "ഇവിടെക്കിടന്ന് ചെടികൾക്കു വളമാവുക" എന്ന നിർദ്ദേശത്തോടെ അനുഭാവപൂർവ്വം മുറ്റത്തിറമ്പിലെ ചെടികളുടെ ചുവട്ടിലിട്ടു.

മുറ്റത്ത് അവിടവിടെയായി വളർന്നു നിന്ന ചില പച്ചപ്പുകളെ അമ്മു ഒറ്റനോട്ടത്തിൽ, ഉപകാരമുള്ളവയെന്നും യാതൊരു പ്രയോജനമില്ലാത്തവയെന്നും തരംതിരിച്ചു. എന്നിട്ട് പ്രയോജനമില്ലാത്തവയെ കടയോടെ പിഴുതെടുത്ത് ബൗണ്ടറിയിലേയ്ക്കെറിഞ്ഞു. ബാക്കിയുള്ളവയെ വെറുതെ ചൂലുകൊണ്ട് തഴുകി വിട്ടു.

ചുരുക്കിപ്പറഞ്ഞാൽ, ഈ മത്സരത്തിൽ അമ്മുവിന് കാര്യമായ വെല്ലുവിളിക്കളൊന്നും നേരിടേണ്ടി വന്നില്ല എന്ന് വ്യക്തമാണ്. അമ്മു തികഞ്ഞ ഫോമിൽ സെഞ്ചറിയ്ക്കടുത്ത് നോട്ടൌട്ട് ആയി നിൽക്കുകയാണ്.

അപ്പോഴാണ്, കിഴക്കേ മതിലിൽ നിന്നും അത്രയൊന്നും അകലെയല്ലാതെ മുറ്റത്തിൻ്റെ കെട്ടിനടുത്ത് മറഞ്ഞു കിടന്ന ഇളം ചുവപ്പും മഞ്ഞയും കലർന്ന സാമാന്യം വലിയൊരു കരിയില അമ്മുവിൻ്റെ സൂക്ഷ്മദൃഷ്ടിയിൽ കുടുങ്ങിയത്. അതിൻ്റെ location നും കിടപ്പും കള്ളലക്ഷണവും അമ്മുവിൻ്റെ അന്വേഷണാത്മക ബുദ്ധിയെ ഉണർത്തി.

അമ്മു ചൂലും താഴെയിട്ട് ചുറ്റുമുള്ള മരങ്ങളുടെയെല്ലാം മുകളിലേയ്ക്ക് സൂക്ഷിച്ചു നോക്കി. ഇത്തരം ഇലകളുള്ള ഒരു മരവും കണ്ണെത്തുന്നിടത്തൊന്നും കണ്ടെത്താനായില്ല. ഏറെ സംശയിക്കേണ്ടി വന്നില്ല, "ശത്രുരാജ്യത്തെ ചാരനാണിവൻ. യുദ്ധമുന്നണിയിൽ നുഴഞ്ഞു കയറിയതാണ്. അവനെ വിടരുത്." അമ്മു അലറി.

ഏറ്റെടുത്ത പണി പാതിവഴിയിൽ ഉപേക്ഷിച്ച് അമ്മു തൻ്റെ ഫോണിൽ എന്തൊക്കെയോ തിരയാൻ തുടങ്ങി. പുതിയ ശത്രുവിനെ മലർത്തിയടിക്കാനുള്ള എന്തെങ്കിലും മാർഗ്ഗങ്ങൾ നോക്കുകയാണെന്നാണ് ഞാൻ കരുതിയത്.

"ഇലയുടെ നിറം വച്ചു നോക്കിയാൽ അത് മേപ്പിൾ മരത്തിൻ്റെ ഇലകളാവാനാണ് സാദ്ധ്യത. പക്ഷെ അത് വടക്കേ അമേരിക്കയിലൊക്കെ കാണുന്ന മരമല്ലേ? അതിൻ്റെ ഇല ഇവിടെ വരുന്നതെങ്ങിനെ?"

ഒടുവിൽ, അലമാരയിൽ പൊടിപിടിച്ചു കിടന്ന taxonomy വിദഗ്ദ്ധൻ്റെ കറുത്ത കോട്ട് ഞാൻ പുറത്തെടുത്തു. അതൊക്കെയിട്ട് മുറ്റത്തിറങ്ങി നോക്കിയപ്പോൾ Indian almond (ബദാം) ൻ്റെ നിലംപറ്റി പതിഞ്ഞു കിടക്കുന്ന വലിയൊരു ഇലയാണ് കണ്ടത്.

അപ്പോഴേയ്ക്കും മുൻവശത്തെ മതിലിൻ്റെ അറ്റത്തു നിന്നും 42 ഡിഗ്രി വടക്കുകിഴക്ക് ദിശയിൽ 134 മീറ്റർ അകലെ ഇത്തരമൊരു മരം അമ്മു കണ്ടെത്തി. എന്നിട്ടും സംശയം തീർന്നില്ല. "അവിടെ നിന്നും ഇലകൾ കാറ്റത്ത് ഇവിടെ വരെ പറന്നെത്തുമോ? എങ്കിൽ ഒരില മാത്രം വന്നതെന്ത്?"

അമ്മു വീണ്ടും ഫോണെടുത്ത് ന്യൂനമർദ്ദത്തിൻ്റെ ഉത്ഭവവും വേഗതയും ദിശയുമൊക്കെ പരിശോധിക്കുവാൻ തുടങ്ങി. Trajectory യും അനുവദനീയമായ deviation ഉം കണക്കാക്കി.

(സാധാരണയായി ഏതു ജോലിക്കും ക്വൊട്ടേഷൻ ഏറ്റെടുക്കുകയും അവേശത്തോടെ ആരംഭിക്കുകയും പിന്നീട് അപൂർണ്ണമായി ഉപേക്ഷിക്കുകയും ചെയ്യുന്ന ഒരു ദുശ്ശീലം അമ്മുവിനുണ്ട്. ഇത്തരമെന്തെങ്കിലും ഒരു കാരണം കണ്ടെത്തുമെന്നും ഞാൻ പ്രതീക്ഷിച്ചതാണ്.)

ജോലി പാതിവഴിയിൽ നിർത്താനാണ് അമ്മുവിൻ്റെ ഭാവമെന്നു മനസ്സിലാക്കിയ ഞാൻ, അമ്മുവുമായി കൂടിയാലോചിച്ച് കരിയിലയെ പറ്റിയുള്ള അന്വേഷണം സി.ബി.ഐ. യ്ക്കു വിടാനുള്ള പരസ്പരധാരണയിലെത്തി. സി.ബി.ഐ. വൈകുന്നേരം ഓഫീസിൽ നിന്നു മടങ്ങിയെത്തി അന്വേഷണം ആരംഭിക്കാം എന്ന് ഉറപ്പും നൽകി. അമ്മുവിന് എതിർക്കാൻ പഴുതുകളൊന്നും ശേഷിച്ചിരുന്നില്ല. പാളിപ്പോയ തൻ്റെ വക്രബുദ്ധിയെ മനസ്സാലെ പഴിച്ച് അമ്മു ജോലി തുടർന്നു. പഴയ ആവേശമൊന്നും ഇല്ലാതെ.

"സ്വന്തം വീട്ടുമുറ്റത്ത് ദുരൂഹസാഹചര്യങ്ങളിൽ കണ്ടെത്തിയ കരിയിലയെ കുറിച്ച് തെല്ലും വേവലാതിയില്ലാത്ത ഇത്തരം മനുഷ്യരും ഭൂമിയിലുണ്ടോ? എന്തു ധൈര്യത്തിലാണ് ഞാൻ ഈ വീട്ടിൽ ജീവിക്കുന്നത്?" അമ്മുവിൻ്റെ ആശങ്ക പൂർണ്ണമായി ഒഴിഞ്ഞില്ല.

....

पत्तनंतिट्टा का.क्षे में हिंदी पखवाड़ा2021 के सिलसिले आयोजितविभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम
Hindi Fortnight Celebrations 2021 PTA BA -Results of various competetions conducted during HF

सभी भागीदारियों तथा विजेताओं को हार्दिक बधाइयाँ Hearty congratulations to all participants & winners

I. टिप्पण, आलेखन& अनुवादNoting, Drafting & Translation

1. श्री. प्रवीण वी Shri. Praveen V, SDE (vig) O/o GMT, Thiruvalla } - Ist Prize
श्री. नंदियाला श्रीकान्त Nandyala Sreekanth , JTO (NIB), TLA }
2. श्रीमती. रिनू आन्स जोस, Shri. Rinu Anns Jose, SOA (G), Koz CSC } - II nd prize
श्रीमती. रिया वर्गीस, Smt.Reya Varghese , JAO (Estt), O/o GMT, TLA
3. श्रीमती. जेसी जोस, Smt. Jessy Jose } - IIIrd prize

II. श्रुतलेख Dictation

1. श्रीमती.रोहिणी श्रीजित, Smt. Rohini Sreejith, JTO Vadasserikkara } - Ist Prize
श्रीमती.जेसी जोस, Smt. Jessy Jose, O/o GMT, TLA
2. श्री. रतीष रवि, Sri. Ratheesh Ravi, JTO , PTA } - II nd prize
श्री. नंदियाला श्रीकान्त Nandyala Sreekanth , JTO (NIB), TLA
3. श्रीमती. बीना आर.के., Smt. Beena R.K., JTO, O/o GMT TLA } - IIIrd prize
श्रीमती. रिनू आन्स जोस, Shri. Rinu Anns Jose, SOA (G), Koz CSC }
श्रीमती. रंजिनी के, Smt. Renjini K., TT, O/o DET Adoor }

III. निबंध लेखन Essay Writting

1. श्री. जिजो सी.एब्रहाम,Sri. Jijo C.Abraham, DET, Intnl, PTA - Ist Prize
2. श्रीमती. रेया वर्गीस, Smt.Reya Varghese , JAO (Estt), O/o GMT, TLA } - II nd prize

IV- हिंदी प्रश्नोत्तरी Hindi Quiz

1. श्रीमती.धन्या पी बाबू Smt. Dhanya P Babu, JTO (Mktg& BE CSC), O/o GMT, TLA } - Ist Prizeश्रीमती. रिनू आन्स जोस, Shri. Rinu Anns Jose, SOA (G), Kozencherry
2. श्री. लिटो के तोमस,Sri.Litto K Thomas ,SDE (Comp&OP), TLA } - II nd prize
श्री. प्रवीण वी Shri. Praveen V, SDE (vig) O/o GMT, Thiruvalla
3. श्रीमती. अनू आर.डी.Smt. Anu R.D., JAO (TRCC),O/oGMT,TLA } - IIIrd prize
श्री. नंदियाला श्रीकान्त Nandyala Sreekanth , JTO (NIB), TLA

V. शब्द पहेली Cross word (3 days)

1. श्री. प्रवीण वी Shri. Praveen V, SDE (vig) O/o GMT, Thiruvalla } - Ist Prize
2. श्री. जिजो सी.एब्रहाम,Sri. Jijo C.Abraham, DET, Intnl, PTA - II nd prize

VI. हिंदी गीत प्रतियोगिता Hindi Song (male)

1. श्री. जिजो सी.एब्रहाम,Sri. Jijo C.Abraham, DET, Intnl, PTA - Ist Prize

हिंदी गीत प्रतियोगिता Hindi Song (female)

1. श्रीमती. श्रीकला एस., Smt. Sreekala S., JTO CSC,O/o GMT, TLA - Ist Prize
2. श्रीमती. रिनू आन्स जोस, Shri. Rinu Ans Jose, SOA (G), Kozencherry - II nd prize

श्रीमती.सिन्धू एस, Smt. Sindhu S., SDE Intl PTA

3. श्रीमती.प्रिया सदानंदन Smt. Priya Sadanandan ,SDE OP, O/o GMT, TLA - IIIrd prize

VII. जोडा मिलाइए .. Match Win

1. श्री. लिटो के तोमस,Sri.Litto K Thomas ,SDE (Comp&OP), TLA
2. श्रीमती. अनू बी.आर. Anu BR, JTO, PTA
3. श्री. जिजो सी.एब्रहाम,Sri. Jijo C.Abraham, DET, Intnl, PTA
4. श्रीमती.रोहिणी श्रीजित, Smt. Rohini Sreejith, JTO Vadasserikkara
5. श्री. रतीष रवि, Sri. Ratheesh Ravi, JTO , PTA
6. श्री. नंदियाला श्रीकान्त Nandyala Sreekanth , JTO (NIB), TLA
7. श्री. मोनसी तॉमस Moncy Thomas, DET, O/oGMT ,TLA
9. श्रीमती.प्रिया सदानंदन Smt. Priya Sadanandan ,SDE OP, O/o GMT, TLA
10. श्री. हरिप्रसाद एस., Sri. Hariprasad S., JE, NIB PTA
11. श्रीमती. मिनू मोहन Smt. Minu Mohan, JTO, CSC, PTA
12. श्री. प्रवीण वी Shri. Praveen V, SDE (vig) O/o GMT, Thiruvalla
13. श्रीमती. बीना आर.के., Smt. Beena R.K., JTO, O/o GMT TLA
14. श्रीमती. सिन्धू एस, Smt. Sindhu S., SDE Intl PTA

समाश्वासन पुरस्कारParticipation /Consolation prizes -

1. श्री. मोनसी तॉमस Sri. Moncy Thomas, DET, O/oGMT ,TLA
2. श्री. हरिप्रसाद एस., Sri. Hariprasad S., JE, NIB PTA
3. श्री. दीपू जयकुमारSri. Deepu jayakumar, JTO, EB, FTTH, TLA
4. श्रीमती. बीना जोणBeena John, AOS,(G), OP&CFA Mktg
5. श्रीमती. राजम आर.Rajam R., JTO, HR, O/o GMT, TLA
6. श्रीमती. अनिला पी.के. Anila P.K. , AGM (Admn &PR)
7. श्री. अनिल एस.एस.Sri. Anil M.S., DE TXMN PTA
8. श्रीमती. मिनू मोहन Smt. Minu Mohan, JTO, CSC, PTA
9. श्री. हरिप्रसाद एस., Sri. Hariprasad S., JE, NIB PTA

हिंदी पखवाड़ा 2021 के सिलसिले ता.22.09.2021 को आयोजित की गई हिंदी कार्यशाला में भाग लिए सभी को धन्यवाद देता हूँ साथ ही साथ पखवाड़ा के दौरान संचालित विभिन्न प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों में भाग लेकर सहयोग दिए पत्तनंतिट्टा बीए के सभी मंडलों के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को तहे दिल से कृतज्ञता प्रकट करती हूँ।Thank you for all the participants in the Hindi workshop conducted on 22.09.2021 and all the the Officers/officials of varius divisions of PTA BA for the wholehearted cooperation to participate in various competitions and programmes in connection with the Hindi Fortnight 2021.

कृपया ध्यान रखिए

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा3(3) के अंतर्गत उल्लिखित दस्तावेज़ों की सूची

LIST OF DOCUMENTS UNDER SECTION 3(3) OF OFFICIAL LANGUAGE ACT, 1963

(ये सभी दस्तावेजों को 100% द्विभाषी रूप में ही जारी किया जाना है । All these document should invariably be issued 100% in bilingual form(Hindi and English))

1. संकल्प / Resolutions.
2. साधारण आदेश / General Orders.
3. नियम / Rules.
4. अधिसूचनाएँ / Notifications.
5. प्रशासनिक या अन्य रिपोर्टें Administrative & other Reports.
6. प्रेस विज्ञप्तियाँ / Press Communiqués.
. संसद के किसी सदन या सदनों के समक्ष रखे जाने वाले प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्टें। Administrative and other reports to be laid before a House or the Houses of Parliament.
8. संसद के किसी सदन या सदनों के समक्ष रखे जाने वाले राजकीय कागज़पत्र। Official papers to be laid before a House or the Houses of Parliament.
9. संविदाएँ / Contracts.
10. करार / Agreements.
11. अनुज्ञप्तियाँ / Licenses.
12. अनुज्ञापत्र / Permits.
13. निविदा सूचनाएँ / Tender Notices.
14. निविदा प्रारूप / Tender Forms.

राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अनुसार 'सामान्य आदेश' में निम्नलिखित सम्मिलित है-

(1) ऐसे सभी आदेश, निर्णय या अनुदेश जो विभागीय प्रयोग के लिए हों और जो स्थायी प्रकार के हों; (2) ऐसे सभी आदेश, अनुदेश, पत्र, ज्ञापन, नोटीस आदि जो सरकारी कर्मचारियों के समूह अथवा समूहों के संबंध में हों या के लिए हों;
(3) ऐसे सभी परिपत्र जो विभागीय प्रयोग के लिए हों या सरकारी कर्णचारियों के लिए हों।
As per Section 3(3) of the Official Languages Act, 1963 the following are covered in general orders:-(1) all orders, decisions or instructions intended for departmental use and which are of standing nature;

(2) all such orders, instructions, letters, Memoranda, Notices, etc. related to or intendedfor group or groups of Government employees;

(3) all circulars whether intended for departmental use or for Government employees.

कविता

फूलों की हँसी

जोमोल के. जैकब,क.हि.अ., बीएसएनएल

चुपचाप खड़े वह, तो भी मिलनसार
सुबह की हंसी शाम तक, न परवाह
कोई देखा, अनदेखा वही हँसी शाम तक
चमक-दमक सूरज के किरणों से भी

चमाचम खड़े उसके मधु पाने आते
चोंच से पक्षियाँ, कोई न चोट बनाते
रस पीके तितलियाँ उसके चारों ओर
खेलते नन्ही बच्चे-सा हंसकर मग्न

सुंदर रूपवती की तरह रह जाते
पवन की बँसुरी से हिल उठे नाचते

ज्यादा न करते वह ज्यादा न हिलते
उसीके नट - खटी रूप दिखाने तक

रंगीन दलों से साथ-साथ जुटे रहते
अलग-अलग है तो भी मिलाके जोडे
पकडने न मन लगा तोडने को भी
ओ, पवित्र - पुण्य सुमन नमन तुझे

सांझ आती-आती सिर झुकाते मूँदी आँखें
कहा उससे, खोले आँखें, प्यारा सुमन
रुको न इक दिन के लिए भी , न सो जा
कल भी खिलना ज़रूर, चाह मिलने की

दिया वह फूल दूसरों को हँसी-खुशी
प्रफुल्ल हुआ मन, फिर खुलके देखें तो
मंद हँसी, खुशी देने जन्म लिए फूलों की
देखना,कभी न भूलो, गम न देते खूबी।

....

प्रकृति के विश्राम और शबलिमा को रंगीन बनाया

പ്രകൃതിയുടെ സുന്ദര- വിശ്രമ വേളകളെ

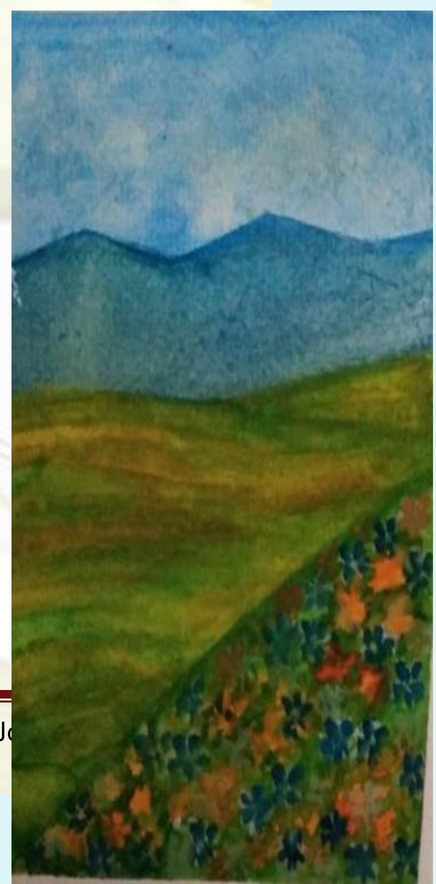

നിറക്കൂട്ടിലാക്കിയത്-

-जोमोल, रोस डोमनिक,जोसफ वी डोमनिक

हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिताHF competition: शब्द पहेलीcross word-3

1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12

13		14	15	16	17
18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29

दाएँ ओर right on wards

1. Act (5)

5. मनोविज्ञान इससे सबंधित है (2)

7. delicate (3)

9. agreement(3)

11. बाँधने के लिए उपयोगी चीज़(2)

18. इससे जुटे एक अधिनियम है (3)

19. भोजन के लिए उपयोगी (2)

22. up to (2)

24. Almighty (2)

25. कभी हम यह चाहते कभी हम यह नहीं चाहते (3)

27. Absconding (3)

1. एक सुंदर रंगीला फल (3)

3. बाहर आ जाना (4)

5. यह करके भवनों को सुधार करते हैं (4)

9. भूत और भविष्य काल में एक ही शब्द (2)

10. एक प्रसिद्ध मैदान (4)

17. विविधता में …... हमारे देश की विशेषता है (3)

18. हिंदी के एक प्रसिद्ध प्राचीन कवि(2)

20. आवाज़ (2)

21. एक हिंदी प्रशिक्षण का नाम नारी का भी नाम है (2)

22. ऋषियाँ यह करते थे (2)

नीचे की ओरdownwards

हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिताHF competition: शब्द पहेलीcross word-2

1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24

25	26	27	28	29	

दाएँ ओर right on wards

1. शासन का कार्य (4)

4. एटीएम से यह मिलता है (3)

9. हिम (3)

10. गले में डालता है (2)

15. जाने माने लोकप्रिय नारी(3)

19. each (2)

21. यह प्रकाश देते (4)

25. शरीर का प्रमुख भाग (2)

26. दिन …..... the sun to set (3)

नीचे की ओरdownwards

2. कुछ लोग यह भोजन चाहते पर कुछ तो मांस खाना चाहते।(4)

4. स्नान करना (3)

6. एक उत्सव (3)

7. court (4)

9. एक औषधी पेड़ (2)

19. एक नाम

21. value

22. जहाँ प्रवेश न करवा सकते वहाँ जाना ….. करता है।

23. discount

GSM PREPAID INFOCARD

MALAPPURAM BUSINESS AREA

(Updated as on 01-09-2021)

CUSTOMER CARE
1503, 2502
TELE-VERIFICATION
1507

BSNL

Plan Vouchers

Price / Validity	Details	Tags	Code
₹ 106/107 84 Days	100 Mins | 3 GB | Free BT (60 Days) (106-Per Sec) (Plan Validity: 84 Days)	BT	RECHARGE
₹ 108 28 Days	Unlimited Calls | 1 GB/ Day | 500 SMS (FRC ONLY) (Plan Validity: 28 Days)		FRC ONLY
₹ 153 28 Days	Unlimited Calls | 1 GB/ Day | 100 SMS/ Day (Plan Validity: 28 Days)		PLAN BSNL153
₹ 197 18 Days	Unlimited Calls | 2 GB/ Day | 100 SMS/ Day (Plan Validity: 150 Days)	MR, Z	PLAN BSNL197
₹ 199 30 Days	Unlimited Calls | 2 GB/ Day | 100 SMS/ Day (Plan Validity: 30 Days)	MR	PLAN BSNL199
₹ 249 60 Days	Unlimited Calls | 2 GB/ Day | 100 SMS/ Day (FRC) (Plan Validity: 60 Days)		FRC ONLY
₹ 397 60 Days	Unlimited Calls | 2 GB/ Day | 100 SMS/ Day (Plan Validity: 300 Days)	BT	PLAN BSNL397
₹ 399 80 Days	Unlimited Calls | 1 GB/ Day | 100 SMS/ Day @ (Plan Validity: 80 Days)	MR, BT	PLAN BSNL399
₹ 485 90 Days	Unlimited Calls | 1.5 GB/ Day | 100 SMS/ Day (Plan Validity: 90 Days)	MR	PLAN BSNL485
₹ 666 120 Days	Unlimited Calls | 2 GB/ Day | 100 SMS/ Day | $ (Plan Validity: 120 Days)	MR, BT	PLAN BSNL666
₹ 699 180 Days*	Unlimited Calls | 0.5 GB/ Day | 100 SMS/ Day (Plan Validity: 180 Days*)	BT	PLAN BSNL699
₹ 997 180 Days	Unlimited Calls | 3 GB/ Day | 100 SMS/ Day @ (Plan Validity: 180 Days)	MR, BT	PLAN BSNL997
₹ 999 240 Days	Unlimited Calls (VOICE ONLY PLAN) @@ (Plan Validity: 240 Days)	MR, BT	PLAN BSNL999
₹ 1499 365 Days	Unlimited Calls | 24 GB | 100 SMS/ Day (Plan Validity: 365 Days)		PLAN BSNL1499
₹ 1999 365 Days	Unlimited Calls | 600 GB | 100 SMS/ Day | ## (Plan Validity: 365 Days)	MR, BT	PLAN BSNL1999
₹ 2399 425 Days#	Unlimited Calls | 3 GB/ Day | 100 SMS/ Day EROSNOW (Plan Validity: 425 Days#)	BT	RECHARGE

Voice & Data STVs/ Combo Vouchers

Price / Validity	Details	Tags	Code
₹ 18 2 Days	UL Voice and Video Calls | 1 GB/ Day | 100 SMS		STV COMBO18
₹ 29 5 Days	Unlimited Voice Calls | 1 GB | 300 SMS		STV COMBO29
₹ 49 24 Days	100 Mins Free (45 Paise/ Min after) | 2 GB | 100 SMS		STV COMBO49
₹ 75 50 Days	100 Mins (30 ps/min after) | 2 GB | Free BT (60 days)	BT	RECHARGE
₹ 94 75 Days	100 Mins (30 ps/min after) | 3 GB | Free BT (60 Days)	BT	RECHARGE
₹ 97 18 Days	Unlimited Calls | 2 GB/ Day | 100 SMS/ Day LOKDHUN	MR	RECHARGE
₹ 118 21 Days	Unlimited Calls | 0.5 GB/ Day | 100 SMS/ Day	MR, BT	STV COMBO118
₹ 147 30 Days	Unlimited Calls | 10 GB	BT	STV COMBO147
₹ 187 28 Days	Unlimited Calls | 2 GB/ Day | 100 SMS/ Day	MR, BT	STV COMBO187
₹ 247 30 Days	Unlimited Calls | 50 GB | 100 SMS/ Day EROSNOW	MR	STV COMBO247
₹ 298 56 Days	Unlimited Calls | 1 GB/ Day | 100 SMS/ Day EROSNOW		RECHARGE
₹ 398 30 Days	Unlimited Calls | Unlimited Data | 100 sms/ Day		RECHARGE
₹ 429 81 Days	Unlimited Calls | 1 GB/ Day | 100 SMS/ Day EROSNOW	MR	STV COMBO429
₹ 447 60 Days	Unlimited Calls | 100 GB | 100 SMS/ Day EROSNOW	BT	RECHARGE
₹ 499 90 Days	Unlimited Calls | 2 GB/ Day | 100 SMS/ Day	ZING, BT	RECHARGE
₹ 599 84 Days	Unlimited Calls | 5 GB/ Day | 100 SMS/ Day Free Night Data	MR, ZING, BT	STV COMBO599

@ Lokdhun Content available (For Plan 399 & Plan 997) $ Zing Entertainment available (for Plan 666) * Available Upto 28-09-2021 # Available upto 18-11-2021

@@ Plan 999- 350 MB Data for 30 Days for FRC Only. ## Plan1999 : LOKDHUN content (First 60 days)& EROS NOW (365 Days) available

Voice STVs

Price / Validity	Details	Tags	Code
₹ 99 22 Days	UL Calls	MR, BT	STV VOICE99
₹ 135 24 Days	1440 Min (L/S/R)	BT	STV VOICE135
₹ 319 75 Days	UL Calls	MR	STV VOICE319

Offers for GP-II & beyond GP-II Customers-Recharge Only

Price / Validity	Details
₹ 139 28 Days	UL Calls, 2 GB / day , 100 SMS/ day Plan Val : 28 Days
₹ 201 90 Days	300 Min, 6 GB, 99 SMS Plan Val : 90 Days
₹ 1199 365 Days	UL Calls, 24 GB , 100 SMS/ day Plan Val : 365 Days

Follow us at http://www.bsnl.co.in, https://twitter.com/bsnlcorporate, https://www.facebook.com/bsnlcorporate

Rate Cutter STV (Voice)

Price / Validity	Details	Code
₹ 21 30 Days	20 ps/min for ON-NET & OFF-NET calls	STV VOICE21

SMS STVs

Price / Validity	Details	Code
₹ 35 30 Days	385 SMS L/N	STV SMS35
₹ 59 30 Days	860 SMS L/N	STV SMS59

Data STVs ## EROS NOW @ LOKDHUN

Price / Validity	Details	Tags	Code
₹ 16 1 Day	2 GB		STV DATA16
₹ 27 3 Days	1.5 GB		STV DATA27
₹ 33 5 Days	1 GB		STV DATA33
₹ 57 10 Days	10 GB	ZING	STV DATA57
₹ 98 22 Days	2 GB/ Day ##	MR	RECHARGE
₹ 151 28 Days	40 GB	ZING	STV DATA151
₹ 198 50 Days	2 GB/ Day @	BT	STV DATA198
₹ 241 30 Days	2.5 GB/ Day		STV DATA241
₹ 251 28 Days	70 GB	ZING	STV DATA251
₹ 597 180 Days	6 GB		REHARGE
₹ 1197 365 Days	14 GB		RECHARGE
₹ 1498 365 Days	2 GB/ Day		RECHARGE

Full Talk Value Offers (For all plans)

Top-Up	₹ 110 $	₹ 150 $	₹ 220	₹ 500	₹ 550	₹ 1100	₹ 2000	₹ 3000	₹ 5000	₹ 6000

$ Only on Sundays

Only 24 Denominations are available on Top-Ups

₹ 10/ 20/ 30/ 40/ 50/ 60/ 70/ 80/ 90/ 100/ 110/ 120/ 150/ 200/ 220/ 300/ 500/ 550/ 1000/ 1100/ 2000/ 3000/ 5000/ 6000

ISD STVs

Price / Validity	Details	Code
₹ 19 30 Days	NEPAL Calls @ Rs.8.50/- per min.	STV ISD19
₹ 24 30 Days	BAHRAIN Calls @ Rs.6.49 / min. SMS @ Rs.3.00	STV ISD24
₹ 25 30 Days	BANGLADESH,MALAYSIA,HONG KONG (Voice Rs 2.49/ Min, SMS Rs 3.00)	RECHARGE
₹ 43 30 Days	CANADA, CHINA, SINGAPORE, USA Calls @ Rs.1.49 /min, SMS@ Rs.3.00	STV ISD43

IR STVs

Price / Validity	Details	Code
₹ 58 30 Days	Activation and extension of Prepaid Mobile International Roaming	STV IR58
₹ 168 90 Days	Activation and extension of Prepaid Mobile International Roaming	STV IR168

Prepaid International SIM needed for IR

Call Charges for Plan Vouchers (After Freebies)

PV 107/153/ 197/ 199/ 249/ 397/ 399/ 485/ 666/ 699/ 997/999/ 1499/ 1999/ 2399	Local Rs.1.00/ minute (Any Network), STD Rs.1.30/ minute (Any Network)
PV 106/ 108	Local 2 paise /second (Any Network), STD 2.4 paise/second (Any Network)

BSNL USSD Codes

*123#	For Main Balance
*124#	To get Self care Services
*124*2#	Net balance or Booster Balance (Voice, SMS & for Internet)
*124*4#	To Know offer balance
*124#3#1#	To know subscribed STVs (All types)
*888#	To know own mobile number
**62*+9117010#	To activate Missed Call alert
123 card pin no#	Top Up / Recharge scratch card
*444#	To find Prepaid Offers like BSNL net balance offers
444 MRP of STV#	To subscribe or activate rate cutters
*124#5#	BSNL Plan voucher (Current Plan / Plan Extension/Migration)

BSNL SMS Codes

- SMS START to 1925 for Data Activation, STOP for Deactivation
- SMS START 0 to 1909 for blocking advt. messages
- SMS STOP to 155223 for VAS deactivation
- SMS ACT ISD to 53733 for activating ISD in Prepaid Mobile
- SMS NT<sp>your name to 56799 for name tune

Chillar Recharge launched in Kerala Circle from 09-04-2021

Chillar Balance Transfer will have the denomination of Rs.1 to Rs.9 with full talk value. Applicable to all denomination of Plan Vouchers/ STV/ Top-Ups above Rs. 30/-.

(i) C-Topup Reversal-SMS to 58081 REV<sp>Wrong No.<sp> Amount <sp> Transaction ID
For a minimum topup of Rs.50/- (Request SMS within 6 hours) (ii) Send STOCK to 54457 to Check Stock

Follow us at http://www.bsnl.co.in, https://twitter.com/bsnlcorporate, https://www.facebook.com/bsnlcorporate

Book your BSNL FTTH
9400901010
BSNL
BSNL FTTH CONNECTIVITY
AT TRIBAL SETTLEMENT AREAS IN PATHANAMTHITTA
BOOK NOW!
9400901010 (WhatsApp Only)
https://bookmyfiber.bsnl.co.in/
Email:- bsnlebpta@gmail.com
Call: 0469-2607500